वर्ष : 35 | अंक : 122 | मुंबई, मंगलवार, 14 जुलाई 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

आय, आयु और अन्य शर्तों में बड़ी संख्या में मिले अपात्र

सत्यापन में बड़ी संख्या में अपात्र लाभार्थी सामने आए। जांच में करीब 10 लाख महिलाओं के परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक मिली, जबकि 4.5 लाख महिलाओं की उम्र 65 वर्ष से ज्यादा पाई गई। इसके अलावा 2 से 2.5 लाख महिलाओं के पास चार पहिया वाहन होने की पुष्टि हुई। सरकारी कर्मचारी, आयकर दाता और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले कई लोगों के नाम भी सूची में मिले।

कैग ने भी वित्तीय प्रबंधन पर उठाए सवाल

योजना पर कैग ने भी गंभीर सवाल उठाए हैं। वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार 29,693.09 करोड़ रुपये के बजट के मुकाबले 33,237.24 करोड़ रुपये खर्च हुए, यानी 3,541.16 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ। कैग ने लाभार्थियों की संख्या और डीबीटी के लिए वित्तीय जरूरत का अधिक सटीक आकलन करने की सलाह दी।

- ई-केवाईसी और पात्रता जांच के बाद 92 लाख लाभार्थी सूची से बाहर
- 2.43 करोड़ से घटकर 1.51 करोड़ रह गई संख्या
- विपक्ष ने सरकार पर 'चुनावी फायदे के लिए धोखाधड़ी' करने का आरोप लगाया

ई-केवाईसी नहीं कराने वालों की संख्या सबसे अधिक

सरकारी अधिकारियों के अनुसार सूची से हटाए गए लाभार्थियों में सबसे बड़ी संख्या उन महिलाओं की है जिन्होंने अनिवार्य ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की। ऐसे मामलों की संख्या 61 से 62 लाख बताई गई है। विधानसभा चुनाव और आचार संहिता के कारण ई-केवाईसी प्रक्रिया समय पर शुरू नहीं हो सकी थी। बाद में सरकार ने कई बार अपील की और अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक कर दी, लेकिन लाखों लाभार्थियों ने प्रक्रिया पूरी नहीं की। परिणामस्वरूप उनका भुगतान रोक दिया गया।

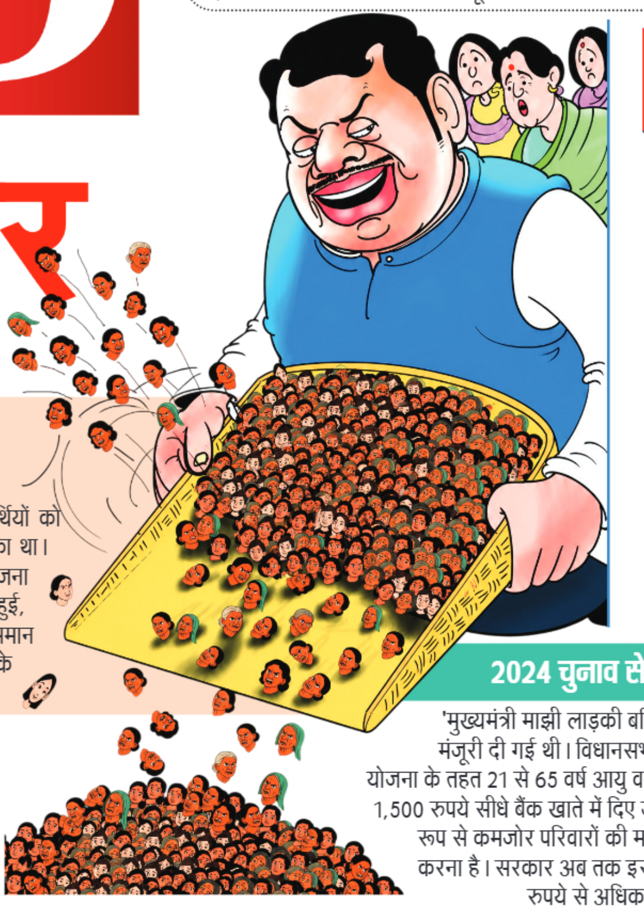

पुरुषों के नाम मिलने से बढ़ी चिंता

जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि योजना की लाभार्थी सूची में हजारों पुरुषों के नाम भी दर्ज थे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 14 हजार मामलों में पुरुषों ने महिलाओं के नाम पर योजना का लाभ लिया, जबकि करीब 2 हजार लाभार्थी स्वयं पुरुष पाए गए। कुल मिलाकर लगभग 16 हजार पुरुषों से सरकारी चालान के माध्यम से राशि की वसूली करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा 4.4 लाख सरकारी कर्मचारियों के नाम भी लाभार्थियों की सूची में मिलने से चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं।

लाड़की बहिन योजना पर सियासी बवाल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना' में लाभार्थियों के सत्यापन के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। राज्यव्यापी ई-केवाईसी और पात्रता जांच के बाद 92 लाख से अधिक महिलाओं के नाम योजना से हटा दिए गए हैं। यह संख्या सरकार के पहले बताए गए 80 लाख के अनुमान से भी काफी अधिक है। सत्यापन के बाद योजना के लाभार्थियों की संख्या करीब 2.43 करोड़ से घटकर लगभग 1.51 करोड़ रह गई है। इस कार्रवाई ने योजना के क्रियान्वयन, लाभार्थियों के चयन और वित्तीय प्रबंधन पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने सरकार पर आरोप लगाया कि चुनावी फायदा लेने के बाद अब लाखों महिलाओं को योजना से बाहर कर दिया गया है। सोमवार को पत्रकारों से चर्चा में वडेट्टीवार ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को बड़े पैमाने पर योजना का लाभ दिया गया, लेकिन सत्ता में लौटने के बाद सरकार ने पात्रता के नए मानदंड लागू कर लाभार्थियों की छंटनी शुरू कर दी। उन्होंने दावा किया कि अब तक करीब 92 लाख महिलाओं को योजना से बाहर किया जा चुका है।

14 हजार करोड़ रुपये का भुगतान पहले ही हो चुका था

अधिकारियों के अनुसार सत्यापन से पहले अपात्र लाभार्थियों को लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका था। अधिकांश लाभार्थियों को औसतन करीब 10 महीने तक योजना का लाभ मिला। चूंकि अलग-अलग चरणों में जांच पूरी हुई, इसलिए सभी मामलों में भुगतान बंद होने की कोई एक समान तिथि नहीं रही। सत्यापन के बाद ही अपात्र लाभार्थियों के भुगतान पर रोक लगाई गई।

2024 चुनाव से पहले शुरू हुई थी योजना

'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना' को 28 जून 2024 को मंजूरी दी गई थी। विधानसभा चुनाव से पहले शुरू की गई इस योजना के तहत 21 से 65 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये सीधे बैंक खाते में दिए जाते हैं। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। सरकार अब तक इस योजना के लिए 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजटीय प्रावधान कर चुकी है।

ब्रीफ न्यूज़

चार सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए 1,907 करोड़ की मंजूरी

मुंबई। महायुति सरकार ने राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए ठाणे के अंबरनाथ, अमरावती, गढ़चिरौली और वाशिम में प्रस्तावित चार सरकारी मेडिकल कॉलेज व संबद्ध अस्पताल परियोजनाओं की संशोधित निर्माण लागत को मंजूरी दे दी है। पहले 1,618.64 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत बढ़ाकर 1,907.88 करोड़ रुपये कर दी गई है। प्रत्येक परियोजना पर 476.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन परिसरों में मेडिकल कॉलेज, छात्र-छात्राओं के छात्रावास, आवासीय भवन तथा कुल 1,720 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक अस्पताल विकसित किए जाएंगे।

वैश्विक औसत से ज्यादा साइबर हमलों की चपेट में भारतीय बैंकिंग

नई दिल्ली। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के चलते साइबर हमलों का दायरा कई गुना बढ़ गया है। अब साइबर हमलावर केवल किसी एक संस्था को नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल इकोसिस्टम, आपूर्ति श्रृंखला और पार्टनर नेटवर्क को निशाना बना रहे हैं। सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की तरफ से जारी 'डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025-26' में यह चिंता जताई गई है। रिपोर्ट बताती है कि भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र वैश्विक औसत की तुलना में करीब 1.6 गुना अधिक साइबर हमलों का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2021 में भारत के बीएफएसआई पर करीब 14 लाख साइबर हमलों के मामले दर्ज हुए थे। 2025 तक यह संख्या बढ़कर 29 लाख के करीब पहुंच गई। जबकि मौजूदा व्यवस्था के तहत किसी डेटा उल्लंघन की पहचान करने और उसे नियंत्रित करने में औसतन 263 दिन लग जाते हैं। इस दौरान हमलावर वित्तीय नुकसान पहुंचाने, डेटा चुराने और सिस्टम में लंबे समय तक सक्रिय रहने में सफल हो जाते हैं। अब साइबर हमलों का उद्देश्य केवल डेटा चोरी नहीं, बल्कि लेनदेन की विश्वसनीयता, ग्राहक पहचान, भुगतान प्रणाली, क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और पूरे वित्तीय तंत्र को प्रभावित करना है।

महंगाई का झटका

- जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38% हुई
- खाद्य वस्तुओं और आभूषणों की कीमतों में तेजी
- खाने-पीने की चीजें भी हुईं महंगी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में महंगाई ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। सरकार द्वारा जारी जून 2026 के खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़ों के अनुसार, महंगाई दर बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य से अधिक है। लगातार छठे महीने खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मई के मुकाबले जून में तेज बढ़ोतरी

मई 2026 में खुदरा महंगाई दर 3.93 प्रतिशत थी, जो जून में बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई। यानी एक महीने में 0.45 प्रतिशत अंक की वृद्धि दर्ज की गई। पांच महीने बाद महंगाई दर आरबीआई के निर्धारित लक्ष्य से ऊपर पहुंची है। हालांकि, यह अभी भी आरबीआई के 2 से 6 प्रतिशत के स्वीकार्य दायरे (टॉलरेंस बैंड) के भीतर है।

सालभर लगातार बढ़ती रही महंगाई

इस वर्ष जनवरी में खुदरा महंगाई घटकर 2.74 प्रतिशत पर आ गई थी। इसके बाद फरवरी में 3.21 प्रतिशत, मार्च में 3.40 प्रतिशत, अप्रैल में 3.48 प्रतिशत, मई में 3.93 प्रतिशत और जून में बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई। इससे साफ है कि पिछले छह महीनों से महंगाई लगातार बढ़ती रही है।

सोना-चांदी और अन्य वस्तुओं के दाम भी बढ़े

अन्य वस्तुओं में किशमिश और मोनाका की महंगाई दर 20.52 प्रतिशत रही। कीमती धातुओं में चांदी के आभूषणों की महंगाई 133.21 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि सोना, हीरा और प्लैटिनम के आभूषणों की महंगाई 36.82 प्रतिशत रही। 50 लाख से अधिक आबादी वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में तेलंगाना में सबसे अधिक 6.36 प्रतिशत खुदरा महंगाई दर्ज की गई। इसके बाद आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में 5.39 प्रतिशत, तमिलनाडु में 5.24 प्रतिशत तथा ओडिशा में 5.15 प्रतिशत महंगाई दर्ज की गई। वहीं, दिल्ली में सबसे कम खुदरा महंगाई 2.96 प्रतिशत दर्ज की गई।

खाद्य महंगाई ने बढ़ाई चिंता

सरकार के अनुसार, जून में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत हो गई, जबकि मई में यह 4.78 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 5.45 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 5.09 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों की कुल महंगाई दर मई के 4.25 प्रतिशत से बढ़कर जून में 4.74 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी महंगाई 3.53 प्रतिशत से बढ़कर 3.92 प्रतिशत पर पहुंच गई।

अदरक-टमाटर सबसे ज्यादा महंगे

खाद्य वस्तुओं में अदरक की महंगाई दर मई के 32.50 प्रतिशत से बढ़कर जून में 50.41 प्रतिशत हो गई। टमाटर की महंगाई दर 31.92 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि, कुछ सब्जियों की कीमतों में राहत भी देखने को मिली। आलू की महंगाई दर -20.34 प्रतिशत और मटर की -9.67 प्रतिशत रही, यानी पिछले वर्ष की तुलना में इनके दाम कम

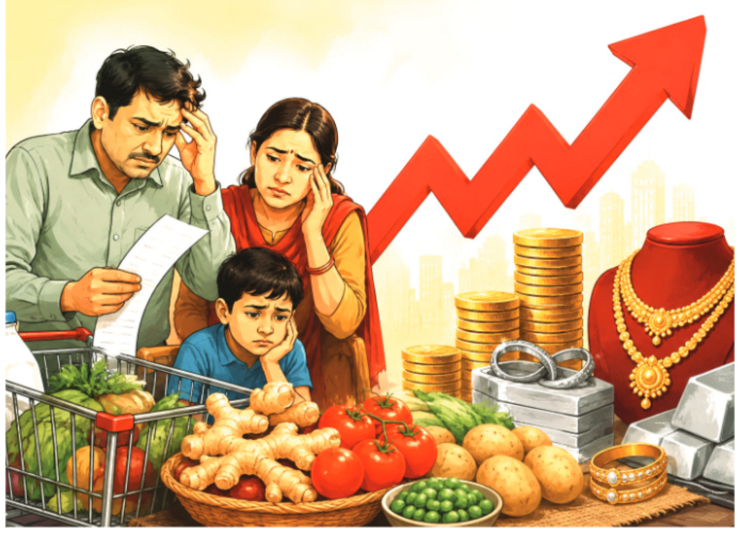

देशव्यापी आंदोलन और कॉकरोच पार्टी के अनशन को उद्धव का समर्थन

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई है। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन का समर्थन करते हुए 20 जुलाई को प्रस्तावित आंदोलन में सभी राजनीतिक दलों और सांसदों से शामिल होने की अपील की।

सोनम वांगचुक से अनशन समाप्त करने की अपील

उद्धव ठाकरे ने कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने सोनम वांगचुक से फोन पर बातचीत कर उनसे आमरण अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी चिंताओं पर ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए उन्हें अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए।

सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप

ठाकरे ने आरोप लगाया कि 16 दिनों से अधिक समय से अनशन जारी रहने के बावजूद केंद्र सरकार ने कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी के सांसदों में मानवता का भाव है तो उन्हें भी 20 जुलाई के आंदोलन में शामिल होना चाहिए, क्योंकि यह किसी राजनीतिक दल का नहीं बल्कि देश के युवाओं के भविष्य का सवाल है।

छात्रों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा

उद्धव ठाकरे ने कहा कि नीट पेपर लीक से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई छात्रों ने मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या तक कर ली, लेकिन सरकार ने इस गंभीर विषय को प्राथमिकता नहीं दी। उनके अनुसार, सरकार शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं की बजाय राजनीतिक गतिविधियों में अधिक व्यस्त है। उन्होंने दावा किया कि आंदोलन से जुड़े अभिजीत दीपके ने आशंका जताई है कि 20 जुलाई के मार्च से पहले कुछ असामाजिक तत्व हिंसा फैलाकर आंदोलन को बदनाम और विफल करने की कोशिश कर सकते हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने वारकरियों को कुचला

तीन महिलाओं की मौत, चार घायल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पुणे

महाराष्ट्र के पुणे जिले में सासवड-जेजुरी मार्ग पर बेलसर टोल नाके के पास सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रक ने वारकरियों के एक समूह को कुचल दिया, जिससे तीन महिला वारकरियों की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज जेजुरी के सरकारी अस्पताल में जारी है।

पुणे ग्रामीण पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाली महिलाओं की पहचान नंदा पवार (60), माधवी राजाराम सालगारे (55) और राजश्री शंकर भोसले (55) के रूप में हुई है। तीनों सांगली जिले की निवासी थीं और वारकरी यात्रा में शामिल थीं।

ट्रक चालक गिरफ्तार, जांच जारी

पुलिस ने दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने किया घटनास्थल का दौरा

हादसे की सूचना मिलते ही उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार घटनास्थल पर पहुंचीं और बाद में अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने अधिकारियों से घटना की जानकारी ली और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक वारकरी के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी और यदि किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महामंडलों में नियुक्तियों का रास्ता साफ

- महायुति ने तय किया पदों के बंटवारे का फार्मूला
- भाजपा के हिस्से में सर्वाधिक 48 फीसद महामंडल
- शिंदे सेना को 29 व राकांपा को 22 फीसद हिस्सेदारी

धीरज सिंह | मुंबई

राज्य की महायुती सरकार में लंबे समय से लंबित महामंडलों और विभिन्न शासकीय संस्थाओं में नियुक्तियों को लेकर बड़ी हलचल सामने आई है। जानकारी के अनुसार, महायुती में शामिल भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के बीच पदों के बंटवारे का फार्मूला तय हो गया है। इसके बाद जल्द ही अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियों की घोषणा होने की संभावना है।

भाजपा को सबसे बड़ी हिस्सेदारी

सूत्रों के मुताबिक, महायुती के घटक दलों की राजनीतिक ताकत और संख्याबल को ध्यान में रखते हुए पदों का वितरण तय किया गया है। इसके अनुसार भारतीय जनता पार्टी को 48 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलने की संभावना है। वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 29 प्रतिशत और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 22 प्रतिशत हिस्सेदारी दी जाएगी।

छोटे सहयोगी दलों के लिए भी प्रावधान

महायुती में शामिल अन्य छोटे सहयोगी दलों के लिए भी एक प्रतिशत हिस्सेदारी आरक्षित रखी गई है, ताकि गठबंधन के सभी घटकों को प्रतिनिधित्व मिल सके।

लंबे समय से लंबित थीं नियुक्तियां

महायुती सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही विभिन्न महामंडलों और शासकीय संस्थाओं में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियों की उम्मीद की जा रही थी। हालांकि मंत्रिमंडल विस्तार, स्थानीय निकाय चुनाव, संगठनात्मक बदलाव और अन्य राजनीतिक कारणों से यह प्रक्रिया लगातार टलती रही। नियुक्तियों में देरी के कारण सत्ताधारी दलों के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे।

आधारभूत विकास

मुख्यमंत्री ने बुनियादी ढांचे और नागरिक सेवाओं के लिए पेश किया वित्तीय मॉडल

शहरी कायाकल्प के लिए 'अर्बन चैलेंज फंड'

- 44,800 करोड़ की परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार
- 90,000 करोड़ के कुल निवेश प्रस्ताव के साथ बाजार और सरकारी स्त्रोतों से जुटेगा फंड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड शहरों के समग्र, योजनाबद्ध और सृजनात्मक विकास के लिए एक अभिनव पहल साबित होगा। उन्होंने कहा कि शहरों को विकास का केंद्र मानते हुए उनकी प्रगति में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए इस फंड के माध्यम से व्यापक स्तर पर विकास कार्य किए जाएंगे, जिससे शहरी आधारभूत सुविधाओं और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में हुई चर्चा

मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अर्बन चैलेंज फंड की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्वशासी संस्थाओं के विकास के लिए महाराष्ट्र पहले से ही नवाचारी वित्तीय मॉडल अपनाता रहा है। उन्होंने बताया कि नाशिक और पुणे महानगरपालिकाओं ने जलापूर्ति और स्वच्छता परियोजनाओं के लिए इसी प्रकार के वित्तीय मॉडल के जरिए संसाधन जुटाए हैं, जिन्हें राष्ट्रीय सर्वोच्च समिति (एनएसी) की मंजूरी भी मिल चुकी है। पिंपरी-चिंचवड़ और नागपुर महानगरपालिकाओं की कुछ परियोजनाओं को भी इसी मॉडल के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

बॉन्ड और पीपीपी मॉडल से जुटेगा निवेश

बैठक में बताया गया कि केंद्र और राज्य सरकार की अनुदान आधारित योजनाओं के साथ-साथ नगर निकायों की वित्तीय और प्रशासनिक सीमाओं को दूर करने में अर्बन चैलेंज फंड महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके लिए नगर निकाय बॉन्ड और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से भी निवेश जुटाया जाएगा।

22 प्रमुख क्षेत्रों पर रहेगा फोकस

अभियान के तहत लगभग 22 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इनमें डिजिटल प्रशासन, शहरी आधारभूत ढांचे का विकास, सर्कुलर इकोनॉमी, यातायात जाम कम करने वाली परियोजनाएं, अंतिम छोर तक संपर्क व्यवस्था, 5 से 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का शहरी पुनरुद्धार, छोटे और मध्यम शहरों को विकास केंद्र के रूप में विकसित करना, पैदल और साइकिल अनुकूल परिवहन, प्रदर्शन परियोजनाएं, ट्रांजिट हब का उन्नयन, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट, सिटी डेवलपमेंट सेंटर, शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास तथा जलापूर्ति एवं स्वच्छता परियोजनाएं शामिल हैं।

एफडीए की राज्य भर में ताबड़तोड़ छापेमारी

28 छापों में 6.33 करोड़ रुपये का खाद्य पदार्थ जब्त, 21 गिरफ्तार

देवेंद्रनाथ जैसवार | मुंबई

खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने 'सेफ फूड, सेफ महाराष्ट्र' अभियान के तहत 10 से 12 जुलाई के बीच राज्यभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 28 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 2,19,061 किलोग्राम खाद्य पदार्थ, 91,692 लीटर दूध सहित कुल 6.33 करोड़ रुपये मूल्य का संदिग्ध माल जब्त किया गया। प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला के मामलों में 16 प्राथमिकी दर्ज कर 21 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

गुटखा, पान मसाला और खाद्य उत्पाद जब्त

एफडीए ने कार्रवाई के दौरान प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला के अलावा 1.62 करोड़ मूल्य का अवैध माल जब्त किया। इसके साथ ही लगभग 3.23 करोड़ मूल्य के न्यूट्रास्यूटिकल्स, मसाले, बेकरी उत्पाद और खाद्य तेल भी कब्जे में लिए गए। एफडीए ने सोलापुर, अहमदनगर और भिवंडी की छह डेयरी इकाइयों पर कार्रवाई करते हुए 91,692 लीटर दूध तथा 26,425 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर और स्प्रे ड्राइड डेयरी क्रीमर सहित 1.47 करोड़ रुपये मूल्य का संदिग्ध स्टॉक जब्त किया।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की मुश्किलें बढ़ीं

▸▸ पार्टी के राष्ट्रीय सचिव ने अध्यक्ष की नियुक्ति पर उठाए सवाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित) की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार के सामने नया राजनीतिक और कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह ने उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की वैधता पर सवाल उठाते हुए अधिवक्ता के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा है। 9 जुलाई 2026 को जारी इस नोटिस में 26 फरवरी 2026 को हुई राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की चुनाव प्रक्रिया को पार्टी संविधान के विपरीत बताते हुए उसे निरस्त कर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की गई है। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी के भीतर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है और अब सभी की नजर पार्टी नेतृत्व की अगली रणनीति पर टिकी है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की वैधता पर उठे सवाल

कानूनी नोटिस में सच्चिदानंद सिंह ने आरोप लगाया है कि 26 फरवरी 2026 को संपन्न राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव पार्टी के संविधान और निर्धारित चुनावी प्रक्रिया के अनुरूप नहीं हुआ। उनका कहना है कि चुनाव के दौरान आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया, जिससे पूरी निर्वाचन प्रक्रिया की वैधता संदिग्ध हो गई है। उन्होंने मांग की है कि इस चुनाव को तत्काल प्रभाव से रद्द कर स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से दोबारा चुनाव कराया जाए।

तीन शीर्ष नेताओं को बनाया पक्षकार

इस विवाद में केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष ही नहीं, बल्कि पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी नोटिस भेजा गया है। नोटिस में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार के अलावा कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल तथा राष्ट्रीय सचिव ब्रजमोहन श्रीवास्तव को पक्षकार बनाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि नई चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष और संशोधित पदाधिकारियों की सूची को मान्यता नहीं दी जानी चाहिए।

स्वतंत्र चुनाव अधिकारी की निगरानी में मतदान की मांग

सच्चिदानंद सिंह ने अपने नोटिस में यह भी मांग की है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव किसी स्वतंत्र और निष्पक्ष बाहरी चुनाव अधिकारी की निगरानी में कराया जाए। उनका तर्क है कि इससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होगी और भविष्य में किसी प्रकार के विवाद की संभावना समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए निष्पक्ष चुनाव आवश्यक है।

नेतृत्व परिवर्तन के बाद पहली बड़ी चुनौती

राकांपा (अजित) के शीर्ष नेतृत्व में बदलाव के बाद यह पहला बड़ा आंतरिक विवाद माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व में परिवर्तन के बाद सुनेत्रा पवार ने संगठन की कमान संभाली थी और बाद में उन्हें सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही उन्हें महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। अब उनके अध्यक्ष पद को लेकर उठे सवालों ने संगठन के भीतर नए राजनीतिक समीकरणों की चर्चा तेज कर दी है।

एक ही दिन चार नाबालिग लापता

▸▸ अपहरण की आशंका में पुलिस जांच तेज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर में नाबालिग बच्चों के लापता होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से एक ही दिन चार नाबालिगों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बच्चों की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अन्य तकनीकी माध्यमों की भी मदद ली जा रही है।

चारों मामलों में अपहरण का मामला दर्ज

पुलिस ने चारों मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सभी मामलों की अलग-अलग टीमों द्वारा जांच की जा रही है और लापता बच्चों की तलाश तेज कर दी गई है।

कचरा फेंकने निकली किशोरी नहीं लौटी

भोईवाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के धोबी तालाब स्थित मुबारक होटल के पास रहने वाली एक मजदूर महिला की 13 वर्षीय बेटी 24 जून की शाम करीब 4:30 बजे घर से कचरा फेंकने के लिए निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपहरण किए जाने की आशंका जताई। कामतघर के भाग्यनगर क्षेत्र से 14 वर्षीय किशोर 11 जुलाई को दोपहर करीब 1:30 बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गया। परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

साठेनगर से बालक और भंडारी कंपाउंड से किशोरी गायब

साठेनगर क्षेत्र में पानी की टंकी के पास रहने वाले एक व्यक्ति का 13 वर्षीय बेटा 11 जुलाई की शाम करीब 5 बजे घर के सामने स्थित मराठी स्कूल के बगीचे के पास था, जिसके बाद वह अचानक लापता हो गया। वहीं, भंडारी कंपाउंड से भी 13 वर्षीय किशोरी उसी दिन शाम करीब 5 बजे घर से अचानक गायब हो गई। दोनों मामलों में भी परिजनों ने अपहरण की आशंका जताई है।

सीरियल चोर गिरफ्तार

▸▸ छह चोरी के मामलों का खुलासा
▸▸ नकदी और मोबाइल बरामद

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

नौपाड़ा पुलिस ने दुकानों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 65 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और चोरी में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार बरामद किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ठाणे, मुंबई और नवी मुंबई में दर्ज चोरी के छह मामलों का खुलासा हुआ है।

दुकान में चोरी के बाद शुरू हुई जांच

पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई 2026 को विक्रम ललासो राठौड़ ने नौपाड़ा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी ₹नाद मेन्स वियर₹ दुकान का ताला तोड़कर नकदी चोरी कर ली गई है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

आदतन अपराधी निकला आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ नौपाड़ा, ठाणेनगर और नवी मुंबई के एपीएमसी पुलिस थाने में चोरी के छह मामले दर्ज हैं। इसके अलावा डोंबिवली, तुलिंज और पायधुनी पुलिस थानों में भी उसके खिलाफ पहले से चोरी के मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त बालासाहेब पाटिल (जोन-1) के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक योगेश अव्हाड़, पुलिस निरीक्षक (अपराध) संजय दावणे, सहायक पुलिस निरीक्षक मंगेश भांगे तथा नौपाड़ा पुलिस थाने की अपराध शाखा की टीम ने संयुक्त रूप से की।

150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल सहित ठाणे से टिटवाला मार्ग तक 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। जांच में सामने आया कि आरोपी पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार लोकल ट्रेन से सफर कर रहा था और बार-बार स्टेशन बदल रहा था।

खडवली में पीछा कर दबोचा गया आरोपी

तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को आरोपी के खडवली में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर उसका पीछा किया और सूरज रामदास चौहान (30) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने ठाणे, मुंबई और नवी मुंबई के विभिन्न इलाकों में दुकानों में सेंधमारी कर चोरी करने की बात स्वीकार की। उसके कब्जे से 65 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन तथा चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए गए।

ठाणे में एआई कैमरों की निगरानी

▸▸ ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर होगी स्वत: कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर अब पुलिस की नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कैमरों की नजर रहेगी। ठाणे के व्यस्त नितिन कंपनी जंक्शन पर इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत आठ अत्याधुनिक एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जो चौबीसों घंटे यातायात पर निगरानी रखेंगे।

पूरे आयुक्तालय में लगेंगे 350 स्मार्ट कैमरे

ठाणे यातायात पुलिस के उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बताया कि आने वाले समय में ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में लगभग 350 अत्याधुनिक आईटीएमएस कैमरे लगाए जाएंगे। इससे यातायात प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा और नियम तोड़ने वालों पर त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। आईटीएमएस परियोजना को 1 सितंबर 2025 से ठाणे शहर में लागू किया गया था। पहले चरण में कैडबरी जंक्शन पर 12 आधुनिक कैमरे लगाए गए थे। अब दूसरे चरण के तहत नितिन कंपनी जंक्शन पर आठ हाई-डेफिनिशन एआई कैमरे चारों दिशाओं से आने वाले वाहनों पर नजर रखेंगे।

अगले चरण में इन प्रमुख चौराहों पर भी लगेंगे कैमरे

योजना के अगले चरण में तीन हाथ नाका, माजीवाड़ा, कापूरबावड़ी, आनंदनगर, ओवला, अंजुर फाटा, कल्याण नाका और दिघे चौक सहित अन्य प्रमुख जंक्शनों पर भी आईटीएमएस कैमरे लगाए जाएंगे। इससे पूरे आयुक्तालय क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

इन उल्लंघनों पर होगी सीधी कार्रवाई

नए सिस्टम के जरिए रेड सिग्नल पार करना, स्टॉप लाइन लांघना, जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन रोकना, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी बैठाना, बिना हेलमेट वाहन चलाना तथा चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट नहीं लगाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन स्वत: रिकॉर्ड होंगे। कैमरों में दर्ज साक्ष्यों के आधार पर संबंधित वाहन चालक को सीधे चालान भेजा जाएगा।

ड्रेनेज के गंदे पानी को लेकर विवाद, लाठी-डंडों से हमला

▸▸ तीन पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली पश्चिम के महाराष्ट्र नगर क्षेत्र में ड्रेनेज के गंदे पानी को लेकर शुरू हुआ पड़ोसियों का विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मामूली कहासुनी के बाद एक व्यक्ति पर लाठी से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। विष्णुनगर पुलिस ने इस संबंध में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्रेनेज की शिकायत को लेकर हुआ विवाद

पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र नगर निवासी विशाल पांडुरंग पाटील (37) अपने घर के सामने बहकर आ रहे ड्रेनेज के गंदे पानी के संबंध में जानकारी लेने पड़ोसी के पास गए थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

क्षेत्र में पहले भी हो चुके हैं ऐसे विवाद

स्थानीय लोगों का कहना है कि महाराष्ट्र नगर क्षेत्र में ड्रेनेज और जलनिकासी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इसी कारण क्षेत्र में पड़ोसियों के बीच अक्सर विवाद की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लाठी से हमला, दो अन्य पर भी मारपीट का आरोप

शिकायत के अनुसार, आरोपी ओंकारनाथ श्रीनिवास तिवारी ने गुस्से में लकड़ी की लाठी से विशाल पाटील के सिर, पीठ और कंधे पर हमला कर दिया। आरोप है कि उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों ने भी पीड़ित के साथ मारपीट की।

पुलिस ने शुरू की जांच

घटना के बाद घायल विशाल पाटील ने विष्णुनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

'महापौर दिन' में बुलंद हुई नागरिकों की आवाज

विनय दूबे । भाईंदर

शहरवासियों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से एमबीएमसी मुख्यालय में ₹महापौर दिवस₹ का आयोजन किया गया। इस दौरान महापौर डिंपल विनोद मेहता ने स्वयं नागरिकों से मुलाकात कर संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में उनकी शिकायतें, सुझाव और मांगें सुनीं।

सबसे अधिक शिकायतें इन मुद्दों पर

कार्यक्रम के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं महापौर के समक्ष रखीं। सबसे अधिक शिकायतें सड़कों पर गड्ढों, खराब डामरीकरण और मरम्मत में देरी को लेकर प्राप्त हुईं। इसके अलावा फुटपाथों एवं सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण, सार्वजनिक शौचालयों की कमी और साफ-सफाई, कचरा उठाव, स्ट्रीट लाइट तथा जलभराव जैसी नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी प्रमुख रूप से सामने आईं।

संवाद और जवाबदेही दोनों जरूरी: महापौर

महापौर डिंपल विनोद मेहता ने कहा कि महापौर दिवस केवल शिकायतें दर्ज करने का मंच नहीं, बल्कि नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने, जनभागीदारी बढ़ाने और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की पहली जिम्मेदारी है। हर शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर उसका प्रभावी समाधान किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को बार-बार महानगरपालिका के चक्कर न लगाने पड़ें।

मौके पर ही अधिकारियों को दिए निर्देश

महापौर ने प्रत्येक शिकायत को विस्तार से सुना और संबंधित विभाग प्रमुखों के साथ मौके पर ही चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई शुरू की जाए और किसी भी मामले में अनावश्यक देरी न हो।

कार्रवाई रिपोर्ट महापौर कार्यालय में होगी जमा

महापौर डिंपल मेहता ने कहा कि सभी विभाग अपनी ओर से की गई कार्रवाई की रिपोर्ट सीधे महापौर कार्यालय में प्रस्तुत करें, ताकि प्रत्येक शिकायत की प्रगति की नियमित समीक्षा की जा सके और जवाबदेही सुनिश्चित हो।

शिकायतों की होगी मॉनिटरिंग

मनपा प्रशासन ने बताया कि महापौर दिवस के दौरान प्राप्त सभी शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा नहीं करने वाले अधिकारियों से जवाब-तलब किया जाएगा। सूचना अधिकार कार्यकर्ता केतन बारिया ने कहा कि इस पहल से नागरिकों में उम्मीद जगी है कि अब उनकी समस्याएं फाइलों में नहीं अटकेंगी, बल्कि उनका समय पर समाधान होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि केवल शिकायतों का निवारण पर्याप्त नहीं है। भ्रष्टाचार के खिलाफ भी महापौर को ठोस और सख्त कदम उठाने होंगे।

शास्त्रीनगर अस्पताल हमले में अदालत का सख्त रुख

▸▸ रमेश म्हात्रे समेत चार आरोपी न्यायिक हिरासत में

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों, नर्सों और महिला कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट के मामले में अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए नगरसेवक रमेश म्हात्रे समेत चार आरोपियों को 24 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। अदालत के आदेश के बाद सभी आरोपियों को कल्याण स्थित आधारवाडी जेल भेज दिया गया।

डॉक्टरों से मारपीट के बाद मचा था बवाल

शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कथित मारपीट की घटना के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया था। घटना के विरोध में विभिन्न डॉक्टर संगठनों और चिकित्सा संस्थाओं ने अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की थी। इसके बाद विष्णुनगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नगरसेवक रमेश म्हात्रे समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

एक महिला आरोपी अब भी फरार

विष्णुनगर पुलिस के अनुसार, मामले में नामजद एक महिला आरोपी अभी भी फरार है। उसकी तलाश के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस का दावा है कि उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फिलहाल राहत नहीं, जेल भेजने का आदेश

सुनवाई के दौरान अदालत ने आरोपियों को तत्काल राहत देने से इनकार करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सभी आरोपियों को 24 जुलाई तक कल्याण की आधारवाडी जेल में रखा जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई सुनवाई

सोमवार को मामले की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आरोपियों को अदालत में पेश किया जाना था, लेकिन बचाव पक्ष ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया।

कल्याण-डोंबिवली में 18 जुलाई को होगा स्ट्रीट वेंडर समिति का चुनाव, तैयारियां पूरी

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) की स्ट्रीट वेंडर समिति के सदस्य पदों के लिए 18 जुलाई 2026 को मतदान कराया जाएगा। महाराष्ट्र शासन के स्ट्रीट वेंडर चुनाव नियमों के अनुसार समिति के कुल 20 सदस्यों में से 8 सदस्य स्ट्रीट वेंडरों के प्रतिनिधि होंगे, जिनका चयन चुनाव के माध्यम से किया जाएगा।

मतदाताओं से मतदान करने की अपील

चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए चुनाव कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा और सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रिटर्निंग ऑफिसर शिवप्रसाद नागरगोजे ने मतदाता सूची में शामिल सभी स्ट्रीट वेंडरों से 18 जुलाई को अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान करने की अपील की है।

पांच उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

विभिन्न आरक्षित वर्गों से पांच उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। इनमें अनुसूचित जाति (महिला) वर्ग से रेखा अशोक सोनवाने, अनुसूचित जनजाति (महिला) वर्ग से आरती अशोक पोटावे, अनुसूचित जनजाति वर्ग से प्रशांत शामराव माली, अन्य पिछड़ा वर्ग से आशा किशोर भगरे तथा अल्पसंख्यक वर्ग से रघुनाथ बालू भोइर शामिल हैं।

नामांकन जांच के बाद चार उम्मीदवारों ने लिया नाम वापस

चुनाव कार्यक्रम के तहत प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच 10 जुलाई को की गई थी, जिसमें एक नामांकन पत्र निरस्त कर दिया गया। इसके बाद 13 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक चार उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली।

तीन सीटों पर होगा मतदान

चुनाव में सामान्य (महिला) वर्ग की एक आरक्षित सीट के लिए दो उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि सामान्य वर्ग की दो सीटों के लिए चार उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इन तीन सीटों के लिए 18 जुलाई को मतदान होगा।

हर एसटी डिपो के लिए बनेगा अलग विकास मॉडल : सीएम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निर्देश दिए हैं कि महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एमएसआरटीसी) के एसटी डिपो का पुनर्विकास कर उसकी आय बढ़ाई जाए, ताकि महामंडल आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डिपो की व्यावसायिक क्षमता का आकलन कर उसके अनुरूप विकास योजना तैयार की जाए और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत पुनर्विकास को गति देने के लिए आवश्यक नीतिगत प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं।

'वर्षा' निवास पर हुई समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री के सरकारी निवास 'वर्षा' में परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, परिवहन राज्य मंत्री माधुरी मिसाल, विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय सेठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीपीपी नीति को मिलेगी गति

फडणवीस ने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) नीति के तहत डेवलपर्स को दी जाने वाली रियायतों से संबंधित प्रस्ताव जल्द मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाए, ताकि पुनर्विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

49 वर्ष के लीज मॉडल पर विचार

बैठक में बताया गया कि एसटी महामंडल की भूमि का स्वामित्व सुरक्षित रखने के लिए 49 वर्ष के लीज मॉडल पर विचार किया जा रहा है। इससे भूमि का व्यावसायिक उपयोग भी बढ़ेगा और उसका मालिकाना हक महामंडल के पास ही रहेगा। मुख्यमंत्री ने स्टांप शुल्क में संभावित छूट से जुड़े कानूनी पहलुओं की भी जांच कराने के निर्देश दिए।

बनेंगे मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों को बेहतर और निर्बाध सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के लिए एसटी डिपो, मेट्रो और अन्य परिवहन सेवाओं का एकीकृत विकास किया जाए। उन्होंने प्रमुख एसटी डिपो को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे विभिन्न परिवहन सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

हर डिपो के लिए अलग विकास मॉडल

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी एसटी डिपो पर एक ही विकास मॉडल लागू करने के बजाय प्रत्येक डिपो की व्यावसायिक संभावनाओं के आधार पर अलग-अलग योजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि आर्थिक रूप से व्यवहार्य परियोजनाओं से होने वाली आय को एस्क्रो खाते में जमा किया जाए और उसका उपयोग अन्य विकास कार्यों में किया जाए।

महाराष्ट्र लोकायुक्त ने राज्यपाल को सौंपी 53वीं वार्षिक रिपोर्ट

2025 में मिलीं 8,547 शिकायतें

मुंबई। महाराष्ट्र के लोकायुक्त न्यायमूर्ति वी.एम. कानडे (सेवानिवृत्त) ने सोमवार को मुंबई स्थित लोक भवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात कर वर्ष 2025 के लिए लोकायुक्त और उप-लोकायुक्त की 53वीं संयुक्त वार्षिक रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में वर्षभर प्राप्त शिकायतों, उनके निपटारे और लोकायुक्त संस्था के कार्यों का विस्तृत विवरण दिया गया है। लोकायुक्त कार्यालय के अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 8,547 नई शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 3,869 शिकायतों को पंजीकृत नहीं किया गया, क्योंकि वे अन्य विभागों को भेजे गए आवेदनों की प्रतियां थीं या उन पर शिकायतकर्ताओं के हस्ताक्षर नहीं थे। इसके बाद 4,678 शिकायतों को विधिवत पंजीकृत किया गया।

4,885 मामलों का हुआ निपटारा

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2025 की शुरुआत में पिछले वर्षों के 4,287 मामले लंबित थे। इस प्रकार पूरे वर्ष के दौरान लोकायुक्त कार्यालय के समक्ष कुल 8,965 मामलों की सुनवाई और निपटारे की जिम्मेदारी रही। इनमें से 4,885 मामलों का निपटारा किया गया, जबकि वर्ष के अंत तक 4,080 मामले लंबित रहे।

82.71 प्रतिशत शिकायतों का संतोषजनक समाधान

लोकायुक्त कार्यालय ने बताया कि पिछले पांच दशकों में संस्था ने बड़ी संख्या में नागरिकों की शिकायतों का समाधान किया है और अपनी विश्वसनीयता कायम रखी है।

यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी सुरक्षा गार्ड 18 जुलाई तक पुलिस हिरासत में

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई के पायधुनी क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपी सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है। स्थानीय अदालत ने आरोपी को 18 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। घटना के बाद इलाके में लोगों में भारी आक्रोश देखा गया।

पॉक्सो और बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज

पायधुनी पुलिस के अनुसार, घटना रविवार सुबह सामने आई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

एक महीने पहले ही बिल्डिंग में लगा था नौकरी पर

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी झारखंड का रहने वाला है और करीब एक महीने पहले ही संबंधित इमारत के गोदाम में सुरक्षा गार्ड के रूप में नियुक्त हुआ था। पुलिस के अनुसार, वह लगभग एक वर्ष से मुंबई में रह रहा था और इस दौरान विभिन्न स्थानों पर काम कर चुका था।

पुलिस सत्यापन की भी हो रही जांच

जांच अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति के समय उसका अनिवार्य पुलिस सत्यापन प्रमाणपत्र (पीसीसी) लिया गया था या नहीं। इसके साथ ही आरोपी की पृष्ठभूमि, पूर्व रोजगार और किसी संभावित आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

घटना के बाद लोगों का प्रदर्शन

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता के परिजन और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पायधुनी पुलिस थाने के बाहर एकत्र हो गए। लोगों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कुछ समय के लिए रास्ता रोको प्रदर्शन किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर कानून-व्यवस्था बनाए रखी।

मोबाइल और अन्य साक्ष्यों की जांच जारी

पुलिस आरोपी के मोबाइल फोन की जांच कर रही है और उसकी हालिया गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। दोषी के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बॉम्बे डाइंग मामले में सैट के आदेश पर रोक से इनकार

डीबीडी संवाददाता । नई दिल्ली/मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें बॉम्बे डाइंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड और उसके कुछ प्रवर्तकों के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्व निर्देशों को रद्द कर दिया गया था। हालांकि, अदालत ने सेबी की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए मामले की सुनवाई जारी रखने का निर्णय लिया।

सेबी ने लगाई थीं कई पाबंदियां

इससे पहले सेबी ने प्रतिभूति कानूनों और सूचीबद्धता मानकों के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए बॉम्बे डाइंग और उससे जुड़े कुछ व्यक्तियों पर पूंजी बाजार तक पहुंचने तथा सूचीबद्ध कंपनियों में प्रमुख पद संभालने पर रोक सहित कई प्रतिबंध लगाए थे। सैट ने इन निर्देशों को रद्द कर दिया था, जिसके खिलाफ सेबी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आदेश को नजीर नहीं माना जाएगा

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने स्पष्ट किया कि सैट का यह फैसला 2:1 के बहुमत से दिया गया है, इसलिए इसे समान मामलों में कानूनी नजीर (मिसाल) के रूप में नहीं माना जाएगा। अदालत ने फिलहाल सैट के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया।

20 जुलाई से शुरू होगी अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया

आठ जिलों के उम्मीदवार होंगे शामिल

मुंबई। मुंबई स्थित सेना भर्ती कार्यालय (एआरओ) ने महाराष्ट्र के आठ जिलों के युवाओं के लिए अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया 20 जुलाई से शुरू करने की घोषणा की है। भर्ती रैली का आयोजन ठाणे के मुंब्रा स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद स्टेडियम में किया जाएगा।

इन जिलों के अभ्यर्थी ले सकेंगे भाग

इस भर्ती अभियान में नंदुरबार, धुले, नासिक, ठाणे, पालघर, मुंबई शहर, मुंबई उपनगर और रायगढ़ जिले के पात्र अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। सेना भर्ती कार्यालय ने पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उपस्थित रहने की अपील की है।

पश्चिम रेलवे

एमएसडीएसी (MSDACs) की केंद्रीकृत रीसेटिंग की व्यवस्था

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता/उत्तर/मुंबई सेंट्रल, द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई–400 008, **ई–निविदा संख्या: SG_217_2_317_WA दिनांक: 08.07.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य एवं स्थान:** चर्चगेट–विरार: मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे में ऑटो हट्स एवं ओसी (OCs) में ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर द्वारा MSDACs की केंद्रीकृत रीसेटिंग की व्यवस्था। **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,92,08,484.79 **ईएमडी (EMD):** 5,84,200/- **ई–निविदा दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 31.07.2026 को 15:00 बजे तक। **ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 31.07.2026 को 15:30 बजे। निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 0356

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (उत्तर), मुंबई सेंट्रल, द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा **ई–निविदा संख्या: SG_216_2_165_WA_N, दिनांक 07.07.2026 आमंत्रित की जाती है। कार्य एवं स्थान :** मुंबई मंडल के विरार–सूरत खंड में ऑटो हट्स एवं ओ.सी. में ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर द्वारा MSDACs के केंद्रीकृत रीसेटिंग की व्यवस्था उपलब्ध कराने के संबंध में FN Mux की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत :** 5,52,30,310.43 **धरोहर राशि (EMD) :** 11,04,600/- **ई–निविदा दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 30.07.2026 को 15:00 बजे तक। **ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** 30.07.2026 को 15:30 बजे। निविदा का विवरण http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर देखा जा सकता है। 0353

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

अंधेरी एसी लोकल विवाद

प्रारंभिक जांच में टिकट जांच कर्मचारियों को मिली क्लीन चिट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने अंधेरी स्टेशन पर एसी लोकल ट्रेन में टिकट जांच को लेकर हुए विवाद की प्रारंभिक जांच पूरी कर ली है। जांच में टिकट जांच कर्मचारियों की ओर से किसी प्रकार की लापरवाही, दुर्व्यवहार या नियमों के उल्लंघन का मामला सामने नहीं आया है।

मराठी में टिकट मांगने पर भी जारी रहा विवाद

रेलवे के मुताबिक, यात्री ने टिकट की मांग मराठी भाषा में किए जाने की बात कही। कर्मचारी ने यात्री की मांग का सम्मान करते हुए मराठी में टिकट दिखाने के लिए कहा, लेकिन इसके बावजूद यात्री लगातार टिप्पणी करता रहा और टिकट जांच कर्मचारी से बहस करने लगा। इससे टिकट जांच की प्रक्रिया प्रभावित हुई और कर्मचारी के आधिकारिक कार्य में बाधा पहुंची।

विरार से शुरू हुई थी टिकट जांच

पश्चिम रेलवे के अनुसार, टिकट जांच दल दोपहर 2:06 बजे विरार स्टेशन पर एसी लोकल ट्रेन में सवार हुआ और नियमित जांच अभियान चला रहा था। इसी दौरान एक यात्री से वैध यात्रा टिकट दिखाने के लिए कहा गया।

यात्री को अंधेरी स्टेशन पर उतारकर आरपीएफ को सौंपा गया

स्थिति को देखते हुए और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए यात्री को अंधेरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतारा गया। इसके बाद आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उसे रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कार्यालय ले जाया गया।

कर्मचारियों के साथ खड़ा है रेलवे

रेलवे ने कहा कि वह अपने उन कर्मचारियों के साथ मजबूती से खड़ा है, जो ईमानदारी, निष्पक्षता और पेशेवर ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। साथ ही, रेलवे देश विविधता का सम्मान करता है तथा यात्रियों से क्षेत्रीय भाषाओं में विनम्र संवाद को प्रोत्साहित करता है। पश्चिम रेलवे ने दोहराया कि किसी भी कर्मचारी को उसकी वैध ड्यूटी निभाने से रोकना या सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। रेलवे यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करेगा।

SERENITY REALTY SOLUTIONS (MUMBAI)

Experienced Consultancy Firm offering Professional Commission-based Services for Developers, Landowners, Investors & Corporate Houses.

- Land Acquisition & Joint Venture Facilitation.
- Real Estate Project Opportunities.
- Government Liaisoning & Approvals.
- Business Collaborations Across Industries.
- Financial & Strategic Facilitation.

For Further Details Contact : 9870061155

पश्चिम रेलवे ने बांद्रा टर्मिनस–सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस को पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया

12935 बांद्रा (ट.) – सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस दिनांक 15 जुलाई, 2026 से प्रभावी	स्टेशन का नाम	12936 सूरत – बांद्रा (ट.) इंटरसिटी एक्सप्रेस दिनांक 14 जुलाई, 2026 से प्रभावी
संशोधित समय		संशोधित समय
कोई परिवर्तन नहीं	विरार	कोई परिवर्तन नहीं
07:58 (आगमन) – 08:00 (प्रस्थान)	पालघर	19:01 (आगमन)– 19:03 (प्रस्थान)
08:16 (आगमन) – 08:18 (प्रस्थान)	बोईसर	कोई परिवर्तन नहीं
08:42 (आगमन) – 08:44 (प्रस्थान)	उमरगाम रोड	कोई परिवर्तन नहीं
09:02 (आगमन) – 09:04 (प्रस्थान)	वापी	कोई परिवर्तन नहीं
09:23 (आगमन) – 09:26 (प्रस्थान)	वलसाड	कोई परिवर्तन नहीं
09:39 (आगमन) – 09:41 (प्रस्थान)	बिलीमोरा	कोई परिवर्तन नहीं
09:56 (आगमन) – 09:58 (प्रस्थान)	नवसारी	कोई परिवर्तन नहीं
10:40 (आगमन)	सूरत	कोई परिवर्तन नहीं

- प्रायोगिक आधार पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।
- अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों के समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा।
- विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us & Follow us on: facebook.com/WesternRly X.com/WesternRly Instagram.com/WesternRly https://www.youtube.com/@WesternRly https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

मध्य रेल

निविदा सूचना

Tender Notice No.: CWE/MTN/85266294/2026 Due on 17.08.2026

निविदा सं.: 85266294; निविदा विवरण: ट्रेन18 ईएमयू/यूएस और एमईएमयू/यूएस कोचों के लिए बोगी फ्रेम पूर्ण रूप से मशीनीकृत. ड्राइंग संख्या 72703001/कॉलम I ALT d के अनुसार। सामग्री विनिर्देश ड्राइंग के अनुसार हैं। सामग्री आईसीएफ के अनुमोदित स्रोतों से प्राप्त की जाएगी।; **मात्रा:** 9 Nos..; **नियम तारीख:** 17.08.2026; **राशि:** रु. 1,02,53,079/-; विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। DE/356

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु अनुरोध - MRVC-EL-EMU-TRD-M&P-ERS

(एक चरण एक लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"मध्य रेलवे पर 110 KV /220 KV ट्रांसमिशन लाइनों के लिए एल्यूमीनियम मॉड्यूलर क्विक डिप्लॉय ट्रांसमिशन स्ट्रक्चर सिस्टम की सप्लाई और कमीशनिंग (टेक्निकल स्पेसिफिकेशन नंबर MRVC.SPEC.M&P. ERS.2026 के अनुसार)"** हेतु-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-खरीद वेबसाइट **"https://eprocure.gov.in"** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **"https://eprocure.gov.in"** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **13.08.2026** को दोपहर **15:00 बजे तक** है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।** SNP 03

सक्षम प्राधिकारी - ३ झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
एच.डी. आय.एल. इमारत, तिसरा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व) मुंबई ४०० ०५१
Email: cabandra2@gmail.com

क्र. स.प्रा.३/झोपुप्रा/बृहन्मुंबई जाहीर नोटीस/२०२६
दिनांक :- /०७/२०२६ जा.क्र.

जाहिर नोटीस

१. श्रीम. सुर्वणा चंद्रकांत सुर्वे (अर्जदार) सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.
२. विकासक, मोहिक कन्स्ट्रक्शन को. अप्पर तळमजला, स्विझ हाईट, लोखंडवाला रोड, चार बंगलाच्या समोर, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
३. अध्यक्ष व मुख्य प्रवर्तक, सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.

विषय : जोडपत्र-३ बाबत,

संदर्भ:- श्रीम. सुर्वणा चंद्रकांत सुर्वे यांचा दि. २३/०४/२०२६ रोजीचा जोडपत्र-३ चा अर्ज.
मौजे-आंबिवली, ता. अंधेरी, न.भू.क्र. ८२५ (पार्ट) या मिळकतीवरील सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था नियो. या संस्थेच्या परिशिष्ट-॥ अ.क्र. ६६ वरील पदमा अलबर्ट कॅरीडो यांच्या " अपात्र" झोपडीच्या पात्रतेकामी श्रीम, सुर्वणा चंद्रकांत सुर्वे यांनी दि. २३/०४/२०२६ रोजी जोडपत्र-३ चा अर्ज सादर केला आहे.
तरी सदर प्रकरणाशी कायदेशीररित्या हितसंबंधी असलेल्या व्यक्तींनी सदर बाबत काही आक्षेप, हरकती असल्यास या कार्यालयात ७ दिवसाच्या आत या कार्यालयात हरकती सादर काराव्या, अथवा आपणास काहीही सांगावयाचे नाही, असे गृहित धरुन प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यास येईल, यांची नोंद घ्यावी.

(स्वाक्षरीत)
सक्षम प्राधिकारी - ३
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

सक्षम प्राधिकारी - ३ झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
एच.डी. आय.एल. इमारत, तिसरा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व) मुंबई ४०० ०५१
Email: cabandra2@gmail.com

क्र. स.प्रा.३/झोपुप्रा/बृहन्मुंबई जाहीर नोटीस/२०२६
दिनांक :- /०७/२०२६ जा.क्र.

जाहिर नोटीस

१. श्री. जगदीश मनफूल चिंडालिया (अर्जदार) सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.), मुंबई ५३.
२. विकासक, मोहिक कन्स्ट्रक्शन को. अप्पर तळमजला, स्विझ हाईट, लोखंडवाला रोड, चार बंगलाच्या समोर, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
३. अध्यक्ष व मुख्य प्रवर्तक, सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.

विषय : जोडपत्र-३ बाबत,

संदर्भ:- श्री. जगदीश मनफूल चिंडालिया यांचा दि. १६/०३/२०२६ रोजीचा जोडपत्र-३ चा अर्ज.
मौजे-आंबिवली, ता. अंधेरी, न.भू.क्र. ८२५ (पार्ट) या मिळकतीवरील सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था नियो. या संस्थेच्या परिशिष्ट- 11 अ.क्र. १३४ वरील राजपाल रामधारी चंडालिया यांच्या "अपात्र" झोपडीच्या पात्रतेकामी श्री. जगदीश मनफूल चिंडालिया यांनी दि. १६/०३/२०२६ रोजी जोडपत्र-३ चा अर्ज सादर केला आहे.
तरी सदर प्रकरणाशी कायदेशीररित्या हितसंबंधी असलेल्या व्यक्तींनी सदर बाबत काही आक्षेप, हरकती असल्यास या कार्यालयात ७ दिवसाच्या आत या कार्यालयात हरकती सादर काराव्या. अथवा आपणास काहीही सांगावयाचे नाही, असे गृहित धरुन प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यास येईल, यांची नोंद घ्यावी.

(स्वाक्षरीत)
सक्षम प्राधिकारी - ३
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

महिला के बेडरूम में जबरन घुसना निजता का हनन : कोर्ट

पुलिस जांच को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस जांच के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि नियमों का पालन किए बिना किसी महिला के शयनकक्ष में प्रवेश करना और उसका मोबाइल फोन जब्त करना उसकी निजता के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जांच के नाम पर पुलिस मनमानी नहीं कर सकती।

महिला को 10 हजार मुआवजा देने का आदेश

नागपुर खंडपीठ की न्यायमूर्ति उर्मिला फाल्के जोशी और न्यायमूर्ति निवेदिता मेहता की पीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि दो माह के भीतर पीड़ित महिला को 10 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए। सरकार चाहे तो यह राशि संबंधित जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों से वसूल सकती है।

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

ई–टेंडरिंग सूचना

संख्या : W/623/5/1/NIT. **दिनांक :** 10/07/2026. **क्र.सं. 1. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–55. **कार्य का नाम :** बकतल स्टेशन – प्लेटफॉर्म नं. 1 और 2 को ऊंचा करना और 02 रैंप लैंडिंग के साथ 04 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज बनाना। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹7,15,47,538.29/–. **बयाना राशि :** ₹14,31,000.00/–. **कार्य समापन अवधि :** 12 महीने। **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 09/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 03/08/2026. **क्र.सं. 2. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–56. **कार्य का नाम :** रतलाम डिवीजन – नीचे दिए गए विभिन्न कार्यों का निष्पादन – (1) विक्रमनगर स्टेशन – अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाना, मौजूदा एफओबी का गुड्स शेड साइड की तरफ विस्तार, शौचालय और यूरिनल (सिंहस्थ 2028), (02) विक्रमनगर स्टेशन – यात्रियों की सुविधाओं के साथ भीड़ को रोकने के लिए होल्डिंग एरिया बनाना (सिंहस्थ 2028), (3) पिंगलेश्वर स्टेशन – यात्रियों की सुविधाओं के साथ भीड़ को रोकने के लिए होल्डिंग एरिया बनाना (सिंहस्थ 2028), (4) पावासा स्टेशन – पीएफ 01, पीएफ 02, पीएफ 03 पर अस्थायी होल्डिंग एरिया, शौचालय, यूरिनल और पानी की व्यवस्था करना (सिंहस्थ 2028)। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹45,68,48,245.70/–. **बयाना राशि :** ₹91,37,000.00/–. **कार्य समापन अवधि :** 21 महीने। **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 09/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 10/08/2026. **क्र.सं. 3. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–65. **कार्य का नाम :** बकानियाभोरी – गुड्स शेड पर ट्रैक का काम करना। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार। **अनुमानित लागत :** ₹8,02,66,577.72/–. **बयाना राशि :** ₹16,05,300.00/–. **कार्य समापन अवधि :** 15 महीने. **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 09/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 03/08/2026. **क्रम सं. 4. ई–टेंडर नं. :** आरटीएम–2026–27–66. **कार्य का नाम :** बकानियन भौंरी स्टेशन – रनिंग स्टाफ के लिए रनिंग रूम के निर्माण के साथ इलेक्ट्रिकल कार्य। **अनुमानित मात्रा :** निविदा अनुसूची के अनुसार. **अनुमानित लागत :** ₹1,41,40,403.18/–. **बयाना राशि :** ₹282,800.00/–. **कार्य समापन अवधि :** 10 महीने. **वेबसाइट पर अपलोड करने की तिथि :** 09/07/2026. **निविदा खुलने की तिथि :** 03/08/2026. • विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्तें एवं अन्य शर्तें वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। SNP-152

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly | हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly

सक्षम प्राधिकारी - ३ झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
एच.डी. आय.एल. इमारत, तिसरा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व) मुंबई ४०० ०५१
Email: cabandra2@gmail.com

क्र. स.प्रा.३/झोपुप्रा/बृहन्मुंबई जाहीर नोटीस/२०२६
दिनांक :- /०७/२०२६ जा.क्र.

जाहिर नोटीस

१. श्रीम. सुरेश विजेंद्र चिडालिया (अर्जदार) सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
२. विकासक, मोहिक कन्स्ट्रक्शन को. अप्पर तळमजला, स्विझ हाईट, लोखंडवाला रोड, चार बंगलाच्या समोर, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.
३. अध्यक्ष व मुख्य प्रवर्तक, सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.

विषय : जोडपत्र-३ बाबत,

संदर्भ:- श्रीम. सुरेश विजेंद्र चिडालिया यांचा दि. १६/०३/२०२६ रोजीचा जोडपत्र-३ चा अर्ज.
मौजे-आंबिवली, ता. अंधेरी, न.भू.क्र. ८२५ (पार्ट) या मिळकतीवरील सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था नियो. या संस्थेच्या परिशिष्ट ॥ अ.क्र. १२५ वरील रमेश रामधारी चंडलिया यांच्या अपात्रछ झोपडीच्या पात्रतेकामी श्रीम. सुरेश विजेंद्र चिडालिया यांनी दि. १६/०३/२०२६ रोजी जोडपत्र-३ चा अर्ज सादर केला आहे.
तरी सदर प्रकरणाशी कायदेशीररित्या हितसंबंधी असलेल्या व्यक्तींनी सदर बाबत काही आक्षेप, हरकती असल्यास या कार्यालयात ७ दिवसाच्या आत या कार्यालयात हरकती सादर काराव्या, अथवा आपणास काहीही सांगावयाचे नाही, असे गृहित धरुन प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यास येईल, यांची नोंद घ्यावी.

(स्वाक्षरीत)
सक्षम प्राधिकारी - ३
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

सक्षम प्राधिकारी - ३ झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
एच.डी. आय.एल. इमारत, तिसरा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व) मुंबई ४०० ०५१
Email: cabandra2@gmail.com

क्र. स.प्रा.३/झोपुप्रा/बृहन्मुंबई जाहीर नोटीस/२०२६
दिनांक :- /०७/२०२६ जा.क्र.

जाहिर नोटीस

१. श्रीम. गीता सुरेश दुलगज (अर्जदार) सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
२. विकासक, मोहिक कन्स्ट्रक्शन को. अप्पर तळमजला, स्विझ हाईट, लोखंडवाला रोड, चार बंगलाच्या समोर, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
३. अध्यक्ष व मुख्य प्रवर्तक, सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.

विषय : जोडपत्र-३ बाबत,

संदर्भ:- श्रीम. गीता सुरेश दुलगज यांचा दि. २३/०३/२०२६ रोजीचा जोडपत्र-३ चा अर्ज,
मौजे-आंबिवली, ता. अंधेरी, न.भू.क्र. ८२५ (पार्ट) या मिळकतीवरील सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था नियो. या संस्थेच्या परिशिष्ट-।। अ.क्र. ११५ वरील विष्णु गोपीराम वाल्मीकी यांच्या "अपात्र" झोपडीच्या पात्रतेकामी श्रीम. गीता सुरेश दुलगज यांनी दि. २३०३/२०२६ रोजी जोडपत्र-३ चा अर्ज सादर केला आहे.
तरी सदर प्रकरणाशी कायदेशीररित्या हितसंबंधी असलेल्या व्यक्तींनी सदर बाबत काही आक्षेप, हरकती असल्यास या कार्यालयात ७ दिवसाच्या आत या कार्यालयात हरकती सादर काराव्या, अथवा आपणास काहीही सांगावयाचे नाही, असे गृहित धरुन प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यास येईल, यांची नोंद घ्यावी.

(स्वाक्षरीत)
सक्षम प्राधिकारी - ३
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

सक्षम प्राधिकारी - ३ झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
एच.डी. आय.एल. इमारत, तिसरा मजला, अनंत काणेकर मार्ग, वांद्रे (पूर्व) मुंबई ४०० ०५१
Email: cabandra2@gmail.com

क्र. स.प्रा.३/झोपुप्रा/बृहन्मुंबई जाहीर नोटीस/२०२६
दिनांक :- /०७/२०२६ जा.क्र.

जाहिर नोटीस

१. श्री. बलबीर जगम सिंह (अर्जदार) सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
२. विकासक, मोहिक कन्स्ट्रक्शन को. अप्पर तळमजला, स्विझ हाईट, लोखंडवाला रोड, चार बंगलाच्या समोर, अंधेरी (प.) मुंबई ५३.
३. अध्यक्ष व मुख्य प्रवर्तक, सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था, लोखंडवाला रोड, अंधेरी (प.) मुंबई - ५३.

विषय : जोडपत्र-३ बाबत,

संदर्भ:- श्री. बलबीर जगम सिंह यांचा दि. २३/०३/२०२६ रोजीचा जोडपत्र-३ चा अर्ज.
मौजे-आंबिवली, ता. अंधेरी, न.भू.क्र. ८२५ (पार्ट) या मिळकतीवरील सुरेश नगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था नियो. या संस्थेच्या परिशिष्ट-11 अ.क्र. ७३ वरील श्री. बलबीर जग्गु यांच्या "अपात्र" झोपडीच्या पात्रतेकामी श्री. बलबीर जगम सिंह यांनी दि. २३/०३/२०२६ रोजी जोडपत्र-३ चा अर्ज सादर केला आहे.
तरी सदर प्रकरणाशी कायदेशीररित्या हितसंबंधी असलेल्या व्यक्तींनी सदर बाबत काही आक्षेप, हरकती असल्यास या कार्यालयात ७ दिवसाच्या आत या कार्यालयात हरकती सादर काराव्या, अथवा आपणास काहीही सांगावयाचे नाही, असे गृहित धरुन प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यास येईल, यांची नोंद घ्यावी.

(स्वाक्षरीत)
सक्षम प्राधिकारी - ३
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

संपादकीय

'मुंढे' की स्वीकार्यता

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन आयुक्त तुकाराम मुंढे की निष्पक्ष कार्यशैली और सख्त प्रशासनिक रवैये की सराहना में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सुरों का एक हो जाना, समकालीन भारतीय राजनीति और नौकरशाही के परिदृश्य में एक अत्यंत दुर्लभ लेकिन सुखद घटनाक्रम है। भाजपा विधायक योगेश सागर से लेकर शिवसेना (उद्धव गुट) के वरिष्ठ विधायक भास्कर जाधव और स्वयं एफडीए मंत्री नरहरी झिरवाल द्वारा विधानसभा के मानसून सत्र में उनके कामकाज की खुलकर प्रशंसा करना यह साबित करता है कि जब प्रशासनिक ईमानदारी जनहित में धरातल पर उतरती है, तो वह राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की सीमाओं को लांघ जाती है। बिना किसी राजनीतिक या व्यावसायिक दबाव के अवैध खाद्य कारोबारियों, मिलावटखोरों और बिना लाइसेंस चल रहे प्रतिष्ठानों पर विभाग की हालिया आक्रामक कार्रवाइयों ने राज्य के प्रशासनिक ढांचे के इकबाल को एक नया जीवन दिया है। इस राजनीतिक सर्वसम्मति और प्रशासनिक सक्रियता के मूल में जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर बिना किसी समझौते के की गई कड़क कार्रवाई है। तुकाराम मुंढे का यह सख्त रवैया और नियम-पुस्तिका के अनुसार चलने की जिद ही है जिसने मिलावटी सिंडिकेट और अवैध कारोबारियों के भीतर एक प्रभावी डर का माहौल पैदा किया है। अक्सर यह देखा जाता है कि ईमानदारी और निडरता से काम करने वाले अधिकारियों को व्यवस्था के भीतर कई तरह की व्यावहारिक कठिनाइयों, तबादलों और निहित स्वार्थों के दबाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, यदि विभिन्न विचारधाराओं के नेता एक सुर में ऐसे अधिकारी के पीछे खड़े होते हैं, तो यह न केवल उस अधिकारी का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक बड़ा वैचारिक संबल प्रदान करता है। यदि रणनीतिक और ढांचागत नजरिए से देखें, तो सरकार द्वारा एफडीए आयुक्त को 'हाफकिन कॉर्पोरेशन' जैसे महत्वपूर्ण संस्थान की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपना मुंढे की प्रशासनिक क्षमता पर राज्य के सर्वोच्च नेतृत्व के गहरे भरोसे का ज्वलंत दस्तावेज है। हाफकिन जैसी बड़ी संस्था में शीर्ष स्तर पर आईएएस अधिकारी की अनुपस्थिति के बीच यह प्रभार मिलना यह दर्शाता है कि जब किसी विभाग में निरीक्षण की गति बढ़ानी हो, निर्णयों में पारदर्शिता लानी हो और व्यवस्थागत सुस्ती को तोड़ना हो, तो 'मुंढे मॉडल' पर भरोसा जताया जा सकता है। एक शातिर मिलावट नेटवर्क को ध्वस्त करने से लेकर औषधीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े संस्थानों को सुचारू रूप से संचालित करना किसी भी नौकरशाह के लिए एक बड़ी परीक्षा और प्रशासनिक चुनौती होती है। सरकार और विपक्ष के इस सकारात्मक रुख से यह साफ है कि सार्वजनिक हित की रक्षा के लिए अब 'नरम और समझौतावादी रवैये' की जगह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। हालांकि, किसी एक अधिकारी की व्यक्तिगत ईमानदारी की सराहना करना पहली सीढ़ी है; असली चुनौती इस व्यक्तिगत तत्परता को एक 'संस्थागत संस्कृति' में तब्दील करने की है, ताकि विभाग का निरीक्षण और कार्रवाई तंत्र किसी व्यक्ति विशेष पर निर्भर रहने के बजाय स्वचालित रूप से पारदर्शी और मजबूत बना रहे। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि ईमानदार अधिकारियों को केवल अतिरिक्त प्रभारों का बोझ न दिया जाए, बल्कि उन्हें पर्याप्त जमीनी अमला और स्वतंत्र कार्य परिवेश भी मिले। यदि राज्य की नीति-नियंता संस्थाएं इसी तरह दलीय राजनीति से ऊपर उठकर जनपक्षधर अधिकारियों को सुरक्षा और समर्थन देती रहीं, तो यह देश भर के लिए सुशासन का एक सर्वश्रेष्ठ मॉडल बनेगा और हर नागरिक को मिलावटमुक्त एवं सुरक्षित जीवन की व्यावहारिक गारंटी मिल सकेगी।

महंगाई की दस्तक : जेब, बाज़ार और अर्थव्यवस्था के सामने चुनौती

अमित बृज
कार्यकारी संपादक

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। जनवरी 2025 के बाद पहली बार महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर पहुंची है। यह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलती सूरत-ए-हाल का ऐसा संकेत है, जिसका असर आने वाले दिनों में हर घर के बजट पर महसूस किया जा सकता है।

करीब डेढ़ साल तक महंगाई के मोर्चे पर मिली राहत ने आम लोगों को यह उम्मीद जगा दी थी कि अब रोज़मर्रा की ज़िंदगी कुछ आसान होगी। रसोई का बजट संभलने लगा था, ईंधन की कीमतें अपेक्षाकृत स्थिर थीं और बाज़ार में भी सुकून का माहौल दिखाई दे रहा था। लेकिन जून 2026 के ताज़ा आंकड़ों ने इस उम्मीद पर विराम लगा दिया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। जनवरी 2025 के बाद पहली बार महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर पहुंची है। यह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलती सूरत-ए-हाल का ऐसा संकेत है, जिसका असर आने वाले दिनों में हर घर के बजट पर महसूस किया जा सकता है। भारत में महंगाई का सबसे बड़ा असर आम आदमी की रसोई पर पड़ता है। इस बार भी तस्वीर कुछ अलग नहीं है। जून में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 4.78 प्रतिशत थी। अदरक की कीमतों में 50.41 प्रतिशत और टमाटर में 31.92 प्रतिशत का इज़ाफ़ा दर्ज किया गया। ये दोनों ऐसी वस्तुएं हैं जिनका इस्तेमाल लगभग हर घर में होता है। इसलिए इनके दाम बढ़ने का मतलब है कि भोजन की थाली पहले से अधिक महंगी हो गई है। हालांकि आलू, मटर और जीरे जैसी कुछ वस्तुओं के दाम घटे हैं, लेकिन यह राहत इतनी नहीं कि रसोई के बढ़ते खर्च की भरपाई कर सके।

महंगाई की दूसरी बड़ी वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी है। मई के दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी का पूरा असर जून में दिखाई दिया। ईंधन महंगा होने का असर केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं रहता। खेत से मंडी, फैक्टरी से गोदाम और गोदाम से दुकान तक हर सामान की ढुलाई महंगी हो जाती है। यही कारण है कि जून में परिवहन महंगाई 4.31 प्रतिशत और माल ढुलाई की महंगाई 7.70 प्रतिशत तक पहुंच गई।

जब परिवहन महंगा होता है तो धीरे-धीरे लगभग हर उत्पाद की कीमत बढ़ने लगती है। यही महंगाई का वह सिलसिला है जो पूरी अर्थव्यवस्था को अपनी चपेट में ले लेता है। ग्रामीण और शहरी भारत दोनों इस दबाव को महसूस कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 5.45 प्रतिशत और शहरों में 5.09 प्रतिशत रही। गांवों में जहां आय के साधन सीमित हैं, वहां बढ़ती कीमतें लोगों की क्रय शक्ति को कम करती हैं। दूसरी ओर शहरों में पहले से ही किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन का खर्च अधिक है। ऐसे में खाद्य वस्तुओं की महंगाई मध्यम वर्ग के लिए अतिरिक्त बोझ बनती जा रही है। महीने का बजट बनाना पहले से अधिक मुश्किल होता जा रहा है। महंगाई का असर केवल खाने-पीने की चीजों तक सीमित नहीं है। चांदी के आभूषणों की कीमतों में 133.21 प्रतिशत और सोने-हीरे के आभूषणों में 36.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बताता है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौर में लोग सुरक्षित निवेश की ओर रुख कर रहे हैं।

जब भविष्य को लेकर अंदेशा बढ़ता है तो सोना और चांदी जैसी संपत्तियों की मांग भी बढ़ जाती है। यह महंगाई की एक ऐसी तस्वीर है, जो केवल उपभोग नहीं बल्कि निवेश की बदलती मानसिकता को भी सामने लाती है। बढ़ती महंगाई का सबसे बड़ा असर भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियों पर पड़ता है। केंद्रीय बैंक का लक्ष्य महंगाई को चार प्रतिशत के आसपास बनाए रखना है, लेकिन अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए महंगाई का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है। फिलहाल रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार है, लेकिन यदि महंगाई लगातार ऊंची बनी रहती है तो ब्याज दरों को लेकर नए फैसले लेने पड़ सकते हैं। हालांकि ब्याज दर बढ़ाने से ऋण महंगा होगा और निवेश की रफ़्तार पर असर पड़ सकता है। इसलिए केंद्रीय बैंक के सामने महंगाई और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की बड़ी चुनौती है। आने वाले महीनों में महंगाई की दिशा काफी हद तक मानसून और अंतरराष्ट्रीय बाज़ार पर निर्भर करेगी। यदि बारिश सामान्य रहती है और खरीफ फसल अच्छी होती है तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। लेकिन यदि मानसून कमजोर रहा या पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में और बढ़ोतरी हुई तो महंगाई का दबाव और बढ़ सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए वैश्विक घटनाओं का असर सीधे घरेलू बाज़ार तक पहुंचता है।

बहरहाल, जून के आंकड़े यह साफ़ इशारा करते हैं कि सस्ती कीमतों का लंबा दौर फिलहाल थमता दिखाई दे रहा है। महंगाई अभी नियंत्रण से बाहर नहीं है, लेकिन उसकी बढ़ती रफ़्तार ने यह ज़रूर बता दिया है कि आने वाले समय में सरकार, रिजर्व बैंक और आम उपभोक्ताओं—तीनों को अधिक सतर्क रहना होगा। आखिरकार महंगाई की असली कहानी किसी रिपोर्ट या आंकड़े में नहीं, बल्कि उस रसोई में लिखी जाती है जहां हर दिन यह तय करना पड़ता है कि सीमित आमदनी में बढ़ती कीमतों का सामना कैसे किया जाए। यही वह हक़ीक़त है जो बताती है कि महंगाई केवल अर्थव्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि हर भारतीय परिवार की रोज़मर्रा की ज़िंदगी का सबसे अहम सवाल है।

हमारी गीता

विकास का सत्य

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

आज विकास का अर्थ प्रायः आर्थिक समृद्धि, आधुनिक सुविधाएं और ऊंचा जीवन स्तर मान लिया गया है। किसी व्यक्ति, समाज या राष्ट्र की प्रगति का मूल्यांकन उसकी आय, संपत्ति, भवन, वाहन और उपभोग की क्षमता से किया जाता है। यह विकास का बाहरी पक्ष है, किंतु श्रीमद्भगवद्गीता हमें बताती है कि वास्तविक विकास मनुष्य के भीतर होता है। यदि बाहरी वैभव के साथ मन अशांत, असंतुष्ट और इच्छाओं से ग्रस्त है, तो वह विकास अधूरा है। इसलिए गीता जीवन स्तर नहीं, बल्कि जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने की प्रेरणा देती है।

राष्ट्र और प्रजा का विकास सामान्यतः जीवन स्तर से नापा जाता है। अधिक संपत्ति, सुविधाएं, पद और प्रतिष्ठा को ही प्रगति का प्रतीक माना जाता है। परंतु क्या इन सबके होते हुए भी मनुष्य वास्तव में संतुष्ट हो जाता है? अधिकांश स्थितियों में उत्तर नहीं होता। यदि कोई स्वयं को संतुष्ट मान भी ले, तो वह प्रायः बाहरी वस्तुओं से प्राप्त क्षणिक संतोष होता है। जैसे कोयल और कौआ दोनों काले दिखाई देते हैं, किंतु वसंत आने पर दोनों का अंतर स्पष्ट हो जाता है, वैसे ही आत्मसंतोष और अनात्मसंतोष का भेद भी समय आने पर प्रकट हो जाता है। बाहरी वस्तुओं की प्राप्ति से मिलने वाला संतोष अस्थायी होता है। वह परिस्थितियों और साधनों पर निर्भर रहता है। जैसे दीपक तब तक प्रकाश देता है, जब तक उसमें तेल और बाती रहती है, वैसे ही भौतिक सुख भी साधनों के समाप्त होते ही समाप्त हो जाते हैं। इसके विपरीत आत्मसंतोष मनुष्य के ज्ञानस्वरूप, स्वप्रकाश आत्मा से प्रकट होता है। उसे किसी बाहरी आधार की आवश्यकता नहीं होती। जिस प्रकार कस्तूरी मृग अपनी ही नाभि में सुगंध होने का ज्ञान न होने से वन-वन भटकता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने भीतर स्थित आनंद को न पहचानकर संसार में सुख खोजता रहता है।

मनुष्य की सभी कामनाएं मूलतः दो रूपों में प्रकट होती हैं—मुझे सुख मिले और मुझे दुःख न मिले। परिस्थितियां प्रारब्ध के अनुसार आती हैं, किंतु उन परिस्थितियों में सुखी होना या दुःखी होना हमारे विवेक और मन की अवस्था पर निर्भर करता है। एक ही परिस्थिति में अलग-अलग व्यक्तियों की प्रतिक्रिया भिन्न होती है। इसका कारण बाहरी संसार नहीं, बल्कि बुद्धि का विकास और आत्मबोध का स्तर है।

जीवन ऊर्जा

शिव नाडार : 14 जुलाई 1945 **जन्म**

जब नीयत साफ और इरादे नेक हों, तो पूरी कायनात साथ देती है

भारत के दिग्गज उद्योगपति और एचसीएल (HCL) के संस्थापक शिव नाडार का जन्म 14 जुलाई 1945 को तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले में हुआ था। उन्होंने देश में आईटी क्रांति की मजबूत नींव रखने के साथ-साथ परोपकारी कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने जीवनभर उद्यमशीलता को शक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी माना।

व्यवसाय का असली उद्देश्य केवल मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि पीढ़ियों तक समाज की सेवा करना है। एक अच्छा लीडर वही है जो दूसरों में आगे बढ़ने की क्षमता पैदा करता है। जोखिम से मत डरिए, हर बड़ा बदलाव एक साहसिक कदम से ही शुरू होता है। निरंतर प्रयास और अपनी गलतियों से सीखना ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है। भविष्य को वही बदल सकते हैं जो आज की चुनौतियों में नए अवसर तलाशते हैं। व्यापार में सबसे बड़ी पूंजी आपकी ईमानदारी और ग्राहकों का भरोसा होती है। एक मजबूत टीम का निर्माण ही बड़े सपने को हकीकत में बदलता है। तकनीक का असली महत्व तब है जब वह अंतिम व्यक्ति का जीवन आसान बनाए। भारत के युवाओं में असीम क्षमता है, बस सही दिशा की जरूरत है। बदलाव के साथ न बदलना ही आपकी असफलता की शुरुआत है। आईटी केवल सॉफ्टवेयर नहीं, देश के विकास को गति देने वाला इंजन है। तकनीक से शिक्षा और स्वास्थ्य सुधरेगा, तभी देश आत्मनिर्भर बनेगा। नए विचारों का स्वागत करने वाला समाज ही दुनिया का नेतृत्व करता है। शिक्षा वह हथियार है जो समाज की तकदीर हमेशा के लिए बदल सकता है। युवाओं को डिग्रियों के साथ नैतिक मूल्य और जिम्मेदारी सिखाना जरूरी है। ग्रामीण बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा मिलने पर ही असली समानता आएगी। देश का भविष्य इस बात पर है कि हम अगली पीढ़ी को क्या संस्कार दे रहे हैं। गरीबी का सबसे प्रभावी इलाज दान नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। समाज में स्थायी सकारात्मक बदलाव देखना चाहते हैं, तो शिक्षा में निवेश कीजिए। सच्ची प्रगति दूसरों पर प्रभाव जमाने में नहीं, अपनी जिम्मेदारी निभाने में है। जीवन में बड़ी सफलता मिलने पर समाज को वापस लौटाना आपका कर्तव्य है। परोपकार केवल धन देना नहीं, बल्कि सही दिशा और समय देना है। सफल उद्योग वही है जो सामाजिक कल्याण में बराबर का भागीदार बने।

शख्सियत — देशबंधु गुप्ता

पत्रकारिता, राष्ट्रसेवा और दिल्ली के अधिकार के प्रबल पैरोकार

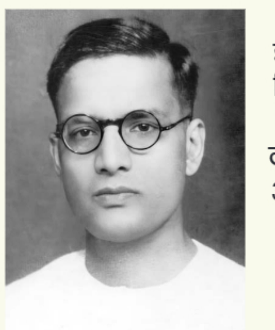

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ऐसे कई नायक हुए हैं जिन्होंने न केवल अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि समाज निर्माण और पत्रकारिता को भी देश सेवा का माध्यम बनाया। ऐसे ही एक महान राष्ट्रभक्त, प्रखर पत्रकार और ओजस्वी राजनीतिज्ञ थे देशबंधु गुप्ता।

14 जुलाई 1901 को जन्मे लाला देशबंधु गुप्ता ने अपना पूरा जीवन देश की आजादी और जनता के अधिकारों के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान वे महात्मा गांधी के विचारों और असहयोग आंदोलन से गहराई से प्रभावित हुए।

गांधीजी के आह्वान पर उन्होंने अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी और पूरी तरह से राष्ट्रसेवा में कूद पड़े। स्वामी श्रद्धानंद और लाला लाजपत राय जैसे महान नेताओं के सानिध्य ने उनके राजनीतिक और सामाजिक जीवन को एक नई दिशा दी। राष्ट्र के प्रति उनके अटूट समर्पण और देशभक्ति को देखते हुए ही उन्हें 'देशबंधु' की उपाधि दी गई थी।

देशबंधु गुप्ता का दृढ़ मानना था कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि समाज को जगाने और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रसिद्ध समाचार पत्र 'तेज' की स्थापना और संपादन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने धारदार और निष्पक्ष लेखों के माध्यम से वे ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीतियों को बेनकाब करते थे। उनके लेखों में राष्ट्रवाद की ऐसी गूंज होती थी कि वे युवाओं में देशभक्ति का जज्बा भर देते थे। पत्रकारिता के प्रति उनकी इसी निष्ठा और संपादन कौशल के कारण उन्हें ऑल इंडिया न्यूजपेपर्स एडिटर्स कॉन्फ्रेंस (AINEC) का अध्यक्ष भी चुना गया था। वे पत्रकारिता को सत्ता की ताकत नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक गहरी जिम्मेदारी मानते थे।

वे केवल कलम के सिपाही नहीं थे, बल्कि जमीन पर भी अंग्रेजों के खिलाफ संघर्षरत रहे। असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया। देश की आजादी की इस राह में उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा और ब्रिटिश सरकार की प्रताड़ना झेलनी पड़ी, लेकिन उनके हौसले कभी नहीं डिगे। वे दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक प्रमुख स्तंभ थे और उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस को संगठित करने में केंद्रीय भूमिका निभाई।

आजादी के बाद जब भारत का संविधान बनाने के लिए संविधान सभा का गठन हुआ, तो देशबंधु गुप्ता को भी इसका सदस्य बनाया गया। संविधान सभा के सदस्य के रूप में उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों के पक्ष में मजबूती से अपनी बात रखी।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

अटूट भक्ति का प्रतीक भक्त ध्रुव

भारतीय सनातन परंपरा में अनेक ऐसे बाल भक्त हुए हैं, जिन्होंने अपनी अटूट श्रद्धा, दृढ़ संकल्प और तपस्या से यह सिद्ध किया कि ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के लिए आयु नहीं, बल्कि सच्ची भक्ति आवश्यक होती है। ऐसे ही अमर भक्त हैं ध्रुव। मात्र पांच वर्ष की आयु में अपमान को प्रतिशोध का नहीं, बल्कि आत्मबल और ईश्वर-भक्ति का आधार बनाकर उन्होंने ऐसी कठिन तपस्या की कि स्वयं भगवान विष्णु उनके समक्ष प्रकट हुए। ध्रुव की कथा हमें सिखाती है कि विपरीत परिस्थितियां यदि सही दिशा दें, तो मनुष्य असंभव को भी संभव बना सकता है। महाराज उत्तानपाद की दो रानियां थीं। बड़ी रानी का नाम सुनीति और छोटी रानी का नाम सुरुचि था। सुनीति के पुत्र ध्रुव थे, जबकि सुरुचि के पुत्र का नाम उत्तम था। महाराज का अधिक स्नेह सुरुचि पर था, इसलिए सुनीति और उनके पुत्र ध्रुव उपेक्षित रहते थे। सुनीति भगवान की भक्ति में अपना समय बिताकर जीवन की कठिनाइयों को सहन करती थीं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

एक दिन बालक ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठ गए। यह देखकर सुरुचि क्रोधित हो उठी। उसने ध्रुव को गोद से उतारते हुए कहा कि राजा की गोद और सिंहासन पर अधिकार केवल उसके पुत्र उत्तम का है। यदि ध्रुव को यह स्थान चाहिए, तो उन्हें भगवान की आराधना करके अगले जन्म में उसके गर्भ से जन्म लेना होगा। विमाता के इन कठोर वचनों से ध्रुव का कोमल हृदय आहत हो गया।

रोते हुए ध्रुव अपनी माता सुनीति के पास पहुंचे। सुनीति ने पुत्र को प्रतिशोध का मार्ग नहीं दिखाया। उन्होंने समझाया कि संसार का सर्वोच्च सहारा भगवान हैं। यदि कोई अविचल सम्मान और श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर सकता है, तो वह केवल ईश्वर की कृपा से ही संभव है। माता के इन वचनों ने बालक ध्रुव के जीवन की दिशा बदल दी। केवल पांच वर्ष की आयु में ध्रुव वन की ओर चल पड़े। मार्ग में देवर्षि नारद मिले। उन्होंने बालक को समझाकर घर लौटाना चाहा, किन्तु ध्रुव का संकल्प अटल था। अंत में नारद ने उन्हें द्वादशाक्षर मंत्र "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" का उपदेश दिया और यमुना तट स्थित मधुवन में तपस्या करने का निर्देश दिया।

मधुवन पहुंचकर ध्रुव ने कठोर तप आरंभ किया। पहले महीने में केवल फल, दूसरे महीने में सूखे पत्ते, तीसरे महीने में जल, चौथे महीने में केवल वायु का सेवन किया और पांचवें महीने में एक पैर पर खड़े होकर ध्यानमग्न हो गए। उनका मन पूरी तरह भगवान विष्णु में लीन हो गया। उनकी तपस्या इतनी प्रचंड थी कि देवता भी विचलित हो उठे और भगवान विष्णु से प्रार्थना करने पहुंचे। भगवान विष्णु स्वयं ध्रुव के सामने प्रकट हुए। बालक ध्रुव भावविभोर होकर कुछ बोल नहीं पाए। तब भगवान ने अपने शंख से उनके कपोल का स्पर्श किया, जिससे उन्हें दिव्य वाणी प्राप्त हुई और उन्होंने भगवान की सुंदर स्तुति की। भगवान उनकी अटूट भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्हें अविचल पद का वरदान दिया, जो आज ध्रुव तारे के रूप में समस्त जगत का पथप्रदर्शक है।

घर लौटने पर महाराज उत्तानपाद ने ध्रुव का भव्य स्वागत किया और उन्हें राज्य सौंप दिया। जीवन के अंत में ध्रुव दिव्य विमान से भगवान के धाम को प्रस्थान कर गए। उत्तर दिशा में स्थित ध्रुव तारा आज भी उनकी अडिग श्रद्धा, दृढ़ संकल्प और निष्काम भक्ति का अमर प्रतीक है। ध्रुव की कथा प्रत्येक व्यक्ति को यह संदेश देती है कि सच्ची आस्था, धैर्य और पुरुषार्थ से ईश्वर की कृपा अवश्य प्राप्त होती है और जीवन को अमर अर्थ मिल जाता है।

अपने विचार

'हिंदू राष्ट्र' की अवधारणा से किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है। हम सभी के पूर्वज सनातनी हिंदू आर्य-वैदिक थे।कुछ लोग पूछते हैं कि अगर हिंदू राष्ट्र बन गया, तो मुस्लिम कहां जाएंगे? बस अपने पूर्वजों की परंपराओं को अपना लीजिए। आप दाढ़ी रखें या कटवा लें, अपनी पसंद की कोई भी पोशाक पहनें, लेकिन अपना चरित्र अपने पूर्वजों जैसा रखें।

बाबा रामदेव
योगगुरु, भारत

अगर हर कोई सनातनी था, तो फिर यहां इस तरह की दरारें पैदा करने की कोशिशें क्यों की जा रही हैं? ये एक ऐसा सवाल है जो उन्हें दूसरों से चर्चा करने से पहले खुद से पूछना चाहिए कि वो कौन हैं और किस समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। मैं कांग्रेस पार्टी की सोच के अलावा किसी और विचार से सहमत नहीं हूं. हमारी सोच वही है जो संविधान कहता है।

सलमान खुर्शीद
वरिष्ठ नेता कांग्रेस

जब समाज में ऐसी घटनाएं होती हैं, तो सवाल उठता है कि क्या हमें ऐसे लोगों को 'लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर' के रूप में देखना चाहिए? इसलिए इस संदर्भ में, मैं अपने पूरे हिंदू समुदाय से कहना चाहता हूं कि आप इस मामले में सावधान रहें, जहां भी ऐसे ब्रांड एंबेसडर दिखाई दें, क्या हमें भविष्य में उनकी फिल्में देखनी चाहिए?

नितेश राणे
मंत्री, महाराष्ट्र

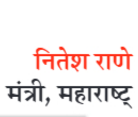

सरकार की मुख्य 'लाडकी बहिन' योजना अब कड़े पात्रता मानदंड लागू करने से कमज़ोर हो गयी है, जबकि सरकार ने चुनाव प्रचार के दौरान इसका ज़ोर-शोर से प्रचार किया था और उसके नाम पर वोट हासिल किए थे। चुनाव जीत जाने के बाद अब सरकार 'कठोर शर्तें' लागू कर रही है।

विजय वडेट्टीवार
नेता, कांग्रेस महाराष्ट्र

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).

जून माह के सेफ्टी अवॉर्ड से मध्य रेल के 9 कर्मचारी सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल के महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव ने सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने में सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा और समय पर की गई कार्रवाई के लिए जून 2026 के सेफ्टी अवॉर्ड से 9 कर्मचारियों को सम्मानित किया। इन कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान अपनी सूझबूझ और समर्पण का परिचय देते हुए संभावित दुर्घटनाओं को टालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा यात्रियों और रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित की। प्रत्येक पुरस्कार में पदक, प्रशस्ति-पत्र, उत्कृष्ट सुरक्षा कार्य का प्रशस्ति विवरण तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

मुंबई मंडल : यात्री की जान बचाई, तकनीकी खामी भी पकड़ी

लोकमान्य तिलक टर्मिनस के कनिष्ठ अभियंता गुणवंत त्र्यंबक नेमाडे ने 16 जून को ट्रेन संख्या 01143 एलटीटी–दानापुर एक्सप्रेस के प्राथमिक रखरखाव के दौरान दो एसी कोचों में गंभीर तकनीकी खामियां चिन्हित कीं। सूचना मिलने पर दोनों कोचों को 'सिक' घोषित कर दिया गया, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई। दादर स्टेशन की पॉइंट्सवुमन गीता कुनाल नागवेकर ने 7 जून को चलती ट्रेन संख्या 12115 सीएसएमटी–सोलापुर सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान फिसले एक यात्री को तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर खींच लिया और उसकी जान बचाई।

भुसावल मंडल : सूझबूझ से टले दो बड़े हादसे

वरिष्ठ सहायक लोको पायलट एच. ए. उद्धे ने 5 जुलाई को दादर–गोरखपुर एक्सप्रेस के इंजन से असामान्य आवाज सुनकर ट्रेन रोकी। जांच में ट्रैक्शन मोटर से रिसाव मिला, जिससे एक्सल लॉक होने की आशंका थी। समय पर सूचना देकर संभावित दुर्घटना टाल दी गई। ट्रेक मेंटेनर किशोर शिवदास डोंगरे ने 3 जून को पारस के निकट एक मालगाड़ी के वैगन से अत्यधिक धुआं निकलते देखा। उन्होंने तुरंत ट्रेन रुकवाकर अधिकारियों को सूचना दी। जांच में ब्रेक जाम पाया गया और बड़ा हादसा टल गया।

पुणे मंडल : तकनीकी सतर्कता और आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

कोल्हापुर के वरिष्ठ तकनीशियन मौलाली मुल्ला ने 5 जून को महाराष्ट्र एक्सप्रेस की 'रोलिंग–इन' जांच के दौरान असामान्य आवाज सुनकर निरीक्षण कराया, जिसमें कोच की प्राथमिक स्प्रिंग टूटी हुई मिली। समय रहते कार्रवाई से संभावित दुर्घटना टल गई। आरपीएफ के कांस्टेबल दीपक करडिले ने 'ऑपरेशन रेल सुरक्षा' के तहत दौंड हाईवे पर कार्रवाई करते हुए रेलवे की सिग्नल सामग्री की अवैध ढुलाई कर रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कराया तथा 11.08 लाख रुपये मूल्य की रेलवे संपत्ति बरामद कराई।

सोलापुर मंडल : निरीक्षण में पकड़ी गंभीर खामी

वाडी की वरिष्ठ तकनीशियन कलावती रामकृष्ण ने 1 जुलाई को एक मालगाड़ी के 'रोलिंग–इन' निरीक्षण के दौरान 14वें वैगन की दोनों बोगियों से छह स्प्रिंग गायब पाए। सूचना मिलने के बाद तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई और संभावित दुर्घटना टाल दी गई।

नागपुर मंडल : ओएचई क्षति और ट्रैक किनारे लगी आग पर तुरंत कार्रवाई

लोको पायलट अकील अहमद शेख ने 9 मई को मालगाड़ी का संचालन करते समय खापरी लूप लाइन के आगे ओएचई में क्षति देख तत्काल ट्रेन रोककर अधिकारियों को सूचना दी, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई। आमला के लोको पायलट दिनेश विश्वकर्मा ने 30 मई को हैदराबाद–गोरखपुर एक्सप्रेस का संचालन करते समय वालगांव–चांदूरबाजार सेक्शन में रेलवे ट्रैक के पास आग लगी देखी। उन्होंने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी, अग्निशामक यंत्र से आग बुझाई और अधिकारियों को सूचना दी। उनकी तत्परता से संभावित दुर्घटना टल गई।

अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

अहमदाबाद। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से अहमदाबाद–पटना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक स्पेशल को 15 जुलाई 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल को 17 जुलाई 2026 तक विस्तारित किया गया है।

फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाकर अदालत में पेश करने वाले दो लोगों पर केस दर्ज

भिवंडी। जमीन विवाद में सुरक्षा के तौर पर दिए गए चेकों को वापस न कर धोखाधड़ी करने और अदालत में फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी पेश करने का मामला प्रकाश में आया है। व्यवसायी अजीमुर्र रहमान की शिकायत पर कोर्ट के आदेश के बाद शांतिनगर पुलिस ने शादाब सोहेल कुरैशी और अतीक अहमद साहेब शेख के खिलाफ जालसाजी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि आरोपियों ने चेक बाउंस के मामले में पीड़ित के नाम के फर्जी दस्तावेज कोर्ट में पेश किए थे, जिसकी जांच एपीआई अरुण घोलप कर रहे हैं।

तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से राहगीर की मौत, चालक पर मामला दर्ज

भिवंडी। मुंबई-नासिक हाईवे पर इंडियन लॉजिस्टिक गेट के पास सड़क पार कर रहे रितेश रामजी सिंह (40) को एक तेज रफ्तार कंटेनर (MH-43-CE-2253) ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। मूल रूप से बिहार के निवासी रितेश को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

किरायेदार की जानकारी पुलिस को न देना मकान मालिक को पड़ा भारी, मामला दर्ज

भिवंडी। किरायेदार का सत्यापन (वेरिफिकेशन) कराकर उसकी जानकारी स्थानीय पुलिस स्टेशन में जमा न करने पर एक मकान मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। आरोपी संजय शमराज तिवारी (42) ने पूर्णा-कल्हेर स्थित अपने फ्लैट के किरायेदार की सूचना पुलिस को नहीं दी थी, जो पुलिस आयुक्त के आदेश और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 163 का उल्लंघन है। नारपोली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 223 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

व्यवसायी प्रकाश मुथा का बेटा गिरफ्तार, कार जब्त

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर/कल्याण

सड़क दुर्घटना के एक मामले में उल्हासनगर पुलिस ने कल्याण के व्यवसायी एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रकाश मुथा के पुत्र अविनाश मुथा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार (एमएच 05 ईजे 4041) भी जब्त कर ली है। मामले की जांच जारी है।

बिर्ला गेट के पास हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना 13 जुलाई 2026 को दोपहर करीब तीन बजे बिर्ला गेट स्थित कमल लॉज के सामने हुई। हादसे में म्हारल (कल्याण) निवासी देवेंद्रसिंह राजपूत (51) की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवेंद्रसिंह राजपूत अपने बेटे संजय राजपूत की स्कूटी (एमएच 05 डीएल 6085) से म्हारल से शहाड़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अविनाश मुथा की कार ने कथित रूप से उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि देवेंद्रसिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल देवेंद्रसिंह राजपूत को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही उल्हासनगर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने अविनाश मुथा को गिरफ्तार कर लिया।

चेन्नई सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप में पश्चिम रेलवे की डाइविंग टीम चमकी, जीते 11 पदक

मुंबई/चेन्नई। 79वीं सीनियर नेशनल एक्वाटिक चैंपियनशिप-2026 में पश्चिम रेलवे की डाइविंग टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 2 रजत और 6 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते हैं। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, टीम की स्टार डाइवर पलक शर्मा ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 3 स्वर्ण और 1 रजत सहित चार पदक अपने नाम किए। वहीं, हृतिका श्रीराम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण और 3 कांस्य पदक सहित कुल पांच पदक अर्जित किए। पुरुष वर्ग में अभिषेक यू ने एक रजत व दो कांस्य तथा निहाल गिराम ने एक कांस्य पदक जीतकर टीम के गौरव को बढ़ाया। पश्चिम रेलवे ने पूरी डाइविंग टीम के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पण की सराहना करते हुए सभी विजेताओं को बधाई दी है।

नांदुरा के विद्यालयों में निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता

भुसावल। अमृत भारत स्टेशन योजना तथा विकसित भारत एवं श्रेष्ठ भारत 2026-27 अभियान के अंतर्गत मध्य रेलवे के भुसावल मंडल ने नांदुरा स्थित श्री शिवाजी हाई स्कूल, सी. एस. कोठारी हाई स्कूल, श्रीमती तुळाबाई विद्यालय निकेतन, यू. आर. उमाळे कॉन्वेंट हाई स्कूल, के. डी. इंग्लिश हाई स्कूल और भारतीय ध्यानपीठ हाई स्कूल में विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कल्पनाशीलता, सृजनात्मकता और राष्ट्रप्रेम का प्रभावी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में निबंध लेखन और चित्रकला, दोनों श्रेणियों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। निबंध प्रतियोगिता के लिए मेरे शहर का विकसित स्टेशन भारत में कैसा होगा? तथा विकसित भारत के निर्माण हेतु मैं क्या करूँगा/करूँगी? विषय निर्धारित किए गए थे। विद्यार्थियों ने इन विषयों पर अपने विचार, नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की।

केलवे रोड स्टेशन पर 14-15 जुलाई को नॉन-इंटरलॉकिंग ब्लॉक

कई ट्रेनों का परिचालन रहेगा प्रभावित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में केलवे रोड स्टेशन पर विरार–दहानू रोड (चरण-1) चौथी लाइन परियोजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) तथा कवच प्रणाली के कमीशनिंग कार्य के लिए 14 और 15 जुलाई 2026 को प्री-नॉन-इंटरलॉकिंग (प्री-एनआई) और नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) ब्लॉक लिया जाएगा। इसके चलते कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

15 जुलाई को भी कई ट्रेनें होंगी विलंबित

15 जुलाई को अहमदाबाद–मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस (22962) 1 घंटे, अहमदाबाद–मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस (12934) 40 मिनट, अहमदाबाद–मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस (12932) 30 मिनट, अहमदाबाद–मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस (82902) 25 मिनट तथा दादर–पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस (19015) 30 मिनट विलंब से संचालित होगी।

14 जुलाई को इन ट्रेनों का परिचालन रहेगा प्रभावित

14 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस (22961) तथा मुंबई सेंट्रल–अहमदाबाद तेजस एक्सप्रेस (82901) को 25–25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा। वहीं, भुज–बांद्रा टर्मिनस कच्छ एक्सप्रेस (22956) 1 घंटा 50 मिनट, जोधपुर–बांद्रा टर्मिनस सूर्यनगरी एक्सप्रेस (12479) 1 घंटा 30 मिनट तथा श्रीगंगानगर–दादर एक्सप्रेस (12489) 30 मिनट विलंबित चलेगी।

सुरक्षित रेल संचालन के लिए होगा ब्लॉक

पश्चिम रेलवे के अनुसार, यह ब्लॉक केलवे रोड स्टेशन पर नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और कवच प्रणाली को शुरू करने के लिए लिया जा रहा है। इन कार्यों के पूरा होने के बाद रेल परिचालन अधिक सुरक्षित और सुगम होगा। हालांकि, ब्लॉक के दौरान कुछ मेल, एक्सप्रेस और प्रीमियम ट्रेनों को निर्धारित समय से विलंबित चलाया जाएगा।

बांद्रा टर्मिनस - सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस का पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन संख्या 12935/12936 बांद्रा टर्मिनस – सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस को प्रायोगिक आधार पर पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 14 जुलाई से यात्रा प्रारंभ होने वाली ट्रेन संख्या 12936 सूरत – बांद्रा टर्मिनस इंटरसिटी एक्सप्रेस पालघर स्टेशन पर ठहरेगी। यह ट्रेन पालघर स्टेशन पर 19:01 बजे पहुँचेगी तथा 19:03 बजे प्रस्थान करेगी। अन्य स्टेशनों पर ठहराव के समय में कोई बदलाव नहीं होगा। इसी प्रकार, 15 जुलाई, 2026 से यात्रा प्रारंभ होने वाली ट्रेन संख्या 12935 बांद्रा टर्मिनस – सूरत इंटरसिटी एक्सप्रेस पालघर स्टेशन पर ठहरेगी। यह ट्रेन पालघर स्टेशन पर 07:58 बजे पहुँचेगी तथा 08:00 बजे प्रस्थान करेगी। फलस्वरूप, यह ट्रेन बोईसर 08:16 बजे पहुँचेगी तथा 08:18 बजे प्रस्थान करेगी, उमरगाम रोड 08:42 बजे पहुँचेगी तथा 08:44 बजे प्रस्थान करेगी, वापी 09:02 बजे पहुँचेगी तथा 09:04 बजे प्रस्थान करेगी, वलसाड 09:23 बजे पहुँचेगी तथा 09:26 बजे प्रस्थान करेगी, बीलीमोरा 09:39 बजे पहुँचेगी तथा 09:41 बजे प्रस्थान करेगी, नवसारी 09:56 बजे पहुँचेगी तथा 09:58 बजे प्रस्थान करेगी, और 10:40 बजे सूरत पहुँचेगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बदला बारामती रेलवे स्टेशन का स्वरूप

11.40 करोड़ रुपये की लागत से हुआ स्टेशन का कायाकल्प

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/पुणे

मध्य रेलवे के पुणे मंडल के अंतर्गत आने वाले बारामती रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत आधुनिक एवं यात्री-अनुकूल स्वरूप में पुनर्विकास किया गया है। लगभग 11.40 करोड़ रुपये की लागत से किए गए इस कार्य के बाद स्टेशन को शीघ्र ही राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, स्टेशन की आधारभूत संरचना को मजबूत करना तथा स्थानीय पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक रेलवे स्टेशन विकसित करना है।

प्रतिदिन 1,800 यात्रियों की आवाजाही

बारामती रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन करीब 1,800 यात्री आवागमन करते हैं, जबकि यहां से रोजाना आठ यात्री ट्रेन सेवाओं का संचालन होता है। यही वजह है कि यह स्टेशन बारामती और आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र की भूमिका निभाता है। बारामती रेलवे स्टेशन का इतिहास वर्ष 1914 से जुड़ा है, जब इसे नैरो गेज स्टेशन के रूप में शुरू किया गया था। बाद में बढ़ती परिवहन जरूरतों को देखते हुए इसे ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया, जिससे संपर्क, परिचालन क्षमता और यात्रियों की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

बारामती आने वाले पर्यटक भिगवण पक्षी अभयारण्य, श्री सिद्धेश्वर मंदिर, बारामती एग्री टूरिज्म सेंटर और करहा नदी क्षेत्र जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकते हैं। आधुनिक रेलवे स्टेशन बनने से इन पर्यटन स्थलों तक पहुंच और अधिक सुगम होगी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन भवन का सौंदर्यीकरण, नए प्रवेश द्वार का निर्माण, सर्कुलेटिंग एरिया का विकास, पार्किंग का उन्नयन, नए शौचालय, वीआईपी लाउंज, आधुनिक प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सुधार, आधुनिक साइनेज, पेयजल सुविधा, दिव्यांगजन–अनुकूल व्यवस्था तथा कंपाउंड वॉल और प्रवेश अवसंरचना का विकास किया गया है। पुनर्विकसित स्टेशन पर आधुनिक वास्तुशिल्प वाला नया भवन, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, उन्नत यात्री सुविधाएं, आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित पहुंच, बेहतर पार्किंग और स्टेशन तक सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष व्यापार–व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार–व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में सोच–समझकर हाथ डालें।

मिथुन व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन–देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति विशेष से अनबन हो सकती है। व्यापार–व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

सिंह शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यय होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। दुष्टजनों से दूर रहें।

कन्या भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। किसी बड़ी समस्या का हल प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

तुला अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। व्यापार–व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन–देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी।

धनु आराम का समय मिलेगा। आशंका–कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबारी नए अनुबंध हो सकते हैं, प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

मकर यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

कुंभ वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

मीन कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कारोबारी लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में शांति रहेगी। सहकर्मियों का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा।

एस.वी. रोड पर मेट्रो कार्य से जलभराव न हो, विशेष ध्यान दिया जाए: पालकमंत्री

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई उपनगर के पालकमंत्री एड. आशीष शेलार ने सोमवार को एस.वी. रोड पर चल रहे मेट्रो निर्माण कार्य का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकारियों को निर्देश दिया कि बारिश के दौरान मेट्रो परियोजना के कारण कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अधूरे जल निकासी कार्य जल्द पूरे हों

पालकमंत्री ने कहा कि जिन स्थानों पर मेट्रो निर्माण के कारण वर्षा जल निकासी के कार्य अधूरे हैं या प्राकृतिक जल प्रवाह बाधित हुआ है, वहां तत्काल आवश्यक उपाय कर निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाया जाए, ताकि भारी बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो। उन्होंने बीएमसी और एमएमआरडीए को संयुक्त रूप से एस.वी. रोड पर जल निकासी व्यवस्था से जुड़े सभी 'मिसिंग लिंक', अधूरी नालियों तथा लंबित गाद सफाई कार्यों की पहचान कर उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि बेहतर समन्वय से मानसून के दौरान जलभराव की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आशीष शेलार ने अधिकारियों से कहा कि पूरे मानसून के दौरान जल निकासी व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए।

वर्षा जल निकासी कार्यों की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान पालकमंत्री ने मेट्रो परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे वर्षा जल निकासी कार्यों और मानसून में जलभराव रोकने के लिए अपनाए गए उपायों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से मौजूदा व्यवस्था और प्रगति की जानकारी भी ली। समीक्षा में पाया गया कि कुछ स्थानों पर मेट्रो परियोजना के तहत 1.2 मीटर क्षमता की वर्षा जल निकासी पाइपलाइन बनाई जा रही है, जबकि बीएमसी के मानकों के अनुसार इसकी न्यूनतम क्षमता 1.5 मीटर होनी चाहिए। इस पर आशीष शेलार ने संबंधित अधिकारियों को सभी ऐसे स्थानों पर पाइपलाइन की क्षमता तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए।

न्यूज़ ब्रीफ

चंपत राय के समर्थन में संत-व्यापारी एकजुट

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा है कि वह एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद सभी आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देंगे। इस बीच उनके समर्थन में अयोध्या के संत समाज और व्यापारिक संगठन खुलकर सामने आने लगे हैं। रामभक्तों के नाम जारी पत्र में चंपत राय ने कहा कि उनके साथ विश्वासघात हुआ है और एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में उनका नाम नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अयोध्या से किसी भी प्रकार का दाग लेकर नहीं जाना चाहते और अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। चढ़ावा अनियमितता प्रकरण के बाद गठित एसआईटी की जांच अभी जारी है। इसी मामले के बीच ट्रस्ट की 6 जुलाई की बैठक में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे स्वीकार किए गए थे, जबकि कई आरोपितों की गिरफ्तारी और पूछताछ भी हो चुकी है। इस बीच संतों और व्यापारिक संगठनों ने कहा है कि अंतिम जांच रिपोर्ट आने से पहले किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है।

लालानगर टोल पर ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा

भदोही। गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के लालानगर टोल प्लाजा पर सोमवार को रांग साइड से आ रहे ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में माधोसिंह निवासी अफसान (25) की मौत हो गई, जबकि उसका साथी नेहाल (23) गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, अफसान पुत्र रमजान और नेहाल पुत्र इकबाल बाइक से गोपीगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दक्षिणी लेन पर गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने अफसान को मृत घोषित कर दिया। नेहाल का उपचार किया गया। घटना के बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। गोपीगंज कोतवाली प्रभारी सच्चिदानंद पांडे ने बताया कि मामले में अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने लालानगर टोल क्षेत्र में रांग साइड चलने वाले भारी वाहनों पर सख्ती और यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

लखनऊ-कानपुर की 'तरक्की को रफ़्तार'

मशीन गाइडेड तकनीक से बने पहले एक्सप्रेसवे का हुआ उद्घाटन

उन्नाव के झाऊखेड़ा में हुआ भव्य लोकार्पण

इस बहुप्रतीक्षित एक्सप्रेसवे का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को उन्नाव के झाऊखेड़ा गांव में आयोजित एक विशाल समारोह के दौरान किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। लोकार्पण की रस्म से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा लगाई गई। एक्सप्रेसवे के रूट पर बनी, गंगाघाट, करेर पतारी, कोरारी और अमरसस के पास विश्वस्तरीय इंटरचेंज बनाए गए हैं।

एजेंसी । उन्नाव

लखनऊ और कानपुर के बीच रोजाना सफर करने वाले लाखों मुसाफिरों के लिए मंगलवार 14 जुलाई से सफर का एक नया और स्वर्णिम अध्याय शुरू होने जा रहा है। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी मौजूदगी में जिस 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया था, वह कल से आम जनता के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा। करीब 4,200 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार यह छह-लेन एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की सबसे आधुनिक और हाई-स्पीड सड़क परियोजनाओं में से एक है।

आज से लागू होगा टोल टैक्स

14 जुलाई यानी मंगलवार की सुबह से इस एक्सप्रेसवे पर वाहनों का संचालन विधिवत शुरू होने के साथ ही टोल वसूली की प्रक्रिया भी प्रभावी हो जाएगी। चूंकि यह एक पूरी तरह से हाई-स्पीड और कंट्रोल्ड-एक्सेस कॉरिडोर है, इसलिए एनएचएआई ने यात्रियों की सुरक्षा और रफ्तार को बनाए रखने के लिए बेहद कड़े नियम लागू किए हैं। इस एक्सप्रेसवे पर केवल कार, जीप, बस, ट्रक और अन्य भारी वाणिज्यिक मोटर वाहनों को ही चलने की इजाजत होगी। एक्सप्रेसवे पर हादसों को रोकने और रफ्तार में बाधा न बनने के लिए दोपहिया (बाइक/स्कूटर), तिपहिया (ऑटो/विक्रम), साइकिल, ट्रैक्टर, ई-रिक्शा, पशु चालित वाहनों और अन्य सभी धीमी गति से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

डेढ़ घंटे की दूरी सिर्फ 35 से 45 मिनट में होगी पूरी

इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने का सबसे बड़ा फायदा समय और ईंधन की बचत के रूप में मिलेगा। वर्तमान में लखनऊ से कानपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर चलने वाले वाहनों को भारी ट्रैफिक जाम, चौराहों और स्थानीय भीड़भाड़ के कारण 1.5 से 2 घंटे तक का लंबा समय लग जाता है। लेकिन आज से एक्सप्रेसवे के जरिए यह दूरी सिमटकर महज 35 से 45 मिनट की रह जाएगी।

उन्नाव बनेगा मुख्य हब

भौगोलिक दृष्टि से इस परियोजना का सबसे बड़ा और सीधा लाभ उन्नाव जिले को मिलने जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए कानपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे के साथ-साथ उन्नाव-लालगंज मार्ग से भी जोड़ा गया है। एक्सप्रेसवे के रूट पर बनी, गंगाघाट, करेर पतारी, कोरारी और अमरसस के पास विश्वस्तरीय इंटरचेंज बनाए गए हैं।

औद्योगिक क्रांति को मिलेगी रफ्तार

व्यावसायिक और औद्योगिक दृष्टिकोण से यह एक्सप्रेसवे दोनों महानगरों के लिए लाइफलाइन साबित होगा। कानपुर के चमड़ा, कपड़ा और भारी औद्योगिक क्षेत्र को लखनऊ के प्रशासनिक एवं आईटी हब के साथ सुपरफास्ट कनेक्टिविटी मिलने से माल ढुलाई की लागत में भारी गिरावट आएगी। उद्योगों को कच्चा माल लाने और तैयार माल भेजने के लिए एक बेहतरीन कॉरिडोर मिल गया है, जिससे क्षेत्र में नए डोमेस्टिक और फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट की राह खुलेगी। इसके अलावा, शिक्षा, चिकित्सा और नौकरियों के सिलसिले में रोजाना अप-डाउन करने वाले हजारों मध्यमवर्गीय परिवारों का हर महीने हजारों रुपये का ईंधन बचेगा।

नहीं चाहिए कागजी निस्तारण, धरातल पर दिखे काम

एजेंसी । भदोही

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि आमजन की शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव धरातल पर भी दिखाई देना चाहिए। उन्होंने लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। मामलों को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए और समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। अभिनव त्यागी ने कहा कि पुलिस थानों पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित के साथ संवेदनशील और मानवीय व्यवहार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर निष्पक्ष एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाए।

फायरिंग मामले में खान सर को अग्रिम जमानत

एजेंसी । पटना

शिक्षक एवं यूट्यूबर फैजल खान उर्फ खान सर को उनके कोचिंग संस्थान के बाहर हुई फायरिंग के मामले में पटना सिविल कोर्ट ने सोमवार को अग्रिम जमानत दे दी। अदालत ने उनके तीन कर्मचारियों और दो सुरक्षा गार्डों समेत कुल छह लोगों को राहत प्रदान की। खान सर के अधिवक्ता अरविंद कुमार मौआर ने बताया कि अदालत ने पहले खान सर की अग्रिम जमानत मंजूर की, इसके बाद तीन कर्मचारियों को भी अग्रिम जमानत दी गई। न्यायिक हिरासत में बंद दोनों सुरक्षा गार्डों की नियमित जमानत याचिका भी स्वीकार कर ली गई। खान सर के कोचिंग संस्थान के नजदीक हुई।

वीडियो के आधार पर जोड़ा गया फैजल खान का नाम

यह मामला पटना में ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद और उनके सहयोगियों की गिरफ्तारी के बाद चर्चा में आया था। जांच के दौरान सामने आए एक वीडियो के आधार पर पुलिस ने खान सर का नाम भी प्राथमिकी में जोड़ा था और उनके सुरक्षा गार्डों की भूमिका की जांच की थी। अदालत ने इससे पहले खान सर की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाई थी। ताजा आदेश के बाद सभी छह आरोपितों को कानूनी राहत मिल गई है, जबकि मामले की पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

ज्ञानवापी विवाद : मुस्लिम पक्ष ने मध्यस्थता से बनाई दूरी

एजेंसी । वाराणसी

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए उच्चतम न्यायालय की पहल पर मंगलवार को वाराणसी में प्रस्तावित मध्यस्थता बैठक से अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने दूरी बना ली है। कमेटी ने कहा कि यह प्रक्रिया स्वैच्छिक है और वह इसमें शामिल नहीं होगी। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय के मध्यस्थता केंद्र में होने वाली इस बैठक में ज्ञानवापी से जुड़े विभिन्न मुकदमों के पक्षकारों और अधिवक्ताओं को आमंत्रित किया गया है। बैठक की अध्यक्षता केंद्र प्रभारी न्यायाधीश करेंगे, जबकि इसकी निगरानी जिला जज भी कर सकते हैं। कमेटी के संयुक्त सचिव एस.एम. यासीन ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का आमंत्रण बाध्यकारी नहीं है, इसलिए

विचार-विमर्श के बाद बैठक में शामिल न होने का निर्णय लिया गया है। दूसरी ओर, हिंदू पक्ष ने कहा कि यदि बातचीत से समाधान नहीं निकलता है तो विवाद का अंतिम फैसला अदालत ही करेगी।

मोकामा विधायक अनंत सिंह ने किया सरेंडर

एजेंसी । गोपालगंज

मोकामा के विधायक अनंत सिंह और भोजपुरी गायक गुंजन सिंह ने सोमवार को गोपालगंज की एमपी-एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। आर्म्स एक्ट और कथित अश्लील डांस से जुड़े मामले में अदालत ने दोनों को नियमित जमानत दे दी। यह मामला 4 मई को मीरगंज थाना में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें अनंत सिंह, गुंजन सिंह, आयोजक गुड्डू राय समेत आठ लोगों को नामजद किया गया था।

बांकीपुर उपचुनाव : नीरज और प्रशांत किशोर ने भरा पर्चा

भाजपा कार्यालय से पटना समाहरणालय तक भव्य रोड शो

एजेंसी । पटना

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा ने सोमवार को पटना समाहरणालय में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद रविशंकर प्रसाद समेत राजग के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में गठबंधन ने शक्ति प्रदर्शन किया। नामांकन से पहले भाजपा कार्यालय से पटना समाहरणालय तक भव्य रोड शो निकाला गया। डाकबंगला चौराहा, एस.पी. वर्मा रोड, बिस्कोमान और कारगिल चौक होते हुए निकली यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए और नेताओं ने लोगों का अभिवादन किया। नामांकन से पूर्व नीरज कुमार सिन्हा ने राजवंशी नगर स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की और नवीन सिन्हा पार्क पहुंचकर स्वर्गीय नवीन सिन्हा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जनसेवा के संकल्प को दोहराते हुए समर्थकों के साथ नामांकन यात्रा में हिस्सा लिया।

सीएम, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने किया दावा

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, जद(यू) प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी सहित राजग के कई नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और बिहार में हुए विकास कार्यों पर जनता का भरोसा कायम है। उन्होंने नामांकन के दौरान उमड़ी भीड़ को बांकीपुर में राजग के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत बताया।

जनसुराज के झंडे संग निकाला रोड शो

बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए जन सुराज के सूत्रधार एवं पार्टी उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उनके समर्थन में जुटे। हाथों में जन सुराज के झंडे लिए समर्थकों ने रोड शो निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। नामांकन से पहले आयोजित रोड शो में समर्थकों ने प्रशांत किशोर के समर्थन में नारेबाजी की। सभा के बाद प्रशांत किशोर समर्थकों के साथ रोड शो करते हुए समाहरणालय पहुंचे और नामांकन दाखिल किया।

जून में देश का निर्यात 15.5% बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

देश का वस्तु निर्यात जून में सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 40.41 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि कच्चे तेल और कीमती धातुओं के आयात में तेज वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़कर 30.43 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जून में आयात 31 प्रतिशत बढ़कर 70.84 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 54.08 अरब डॉलर था। बढ़े हुए आयात के कारण व्यापार घाटा जून 2025 के 19.10 अरब डॉलर से करीब 59 प्रतिशत बढ़ गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही

(अप्रैल-जून) में देश का निर्यात 15.92 प्रतिशत बढ़कर 129.32 अरब डॉलर रहा। इस दौरान आयात 19.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 216.18 अरब डॉलर दर्ज किया गया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि जून में पश्चिम एशियाई देशों को भारत का निर्यात 7.29 प्रतिशत बढ़कर 5 अरब डॉलर हो गया। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और कीमती धातुओं के आयात में बढ़ोतरी से कुल आयात में तेजी आई है।

गिरावट से उबरा बाजार, झोली में आए 1.10 लाख करोड़

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजारों की कमजोरी के दबाव में सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि, निचले स्तरों पर हुई जोरदार लिवाली और आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार ने तेजी से रिकवरी की और अंत में सेंसेक्स व निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स कारोबार के दौरान निचले स्तर से 931 अंक उछला और अंत में 47.01 अंक की बढ़त के साथ 77,616.40 अंक पर बंद हुआ।

482.4 लाख करोड़ हुआ मार्केट कैप

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स कारोबार के दौरान निचले स्तर से 931 अंक उछला और अंत में 47.01 अंक की बढ़त के साथ 77,616.40 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 4.10 अंक की मामूली तेजी के साथ 24,211 अंक पर रहा। बाजार में सबसे ज्यादा खरीदारी आईटी सेक्टर के शेयरों में देखने को मिली। आईटी इंडेक्स 3.59 प्रतिशत चढ़ा, जबकि टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टेक महिंद्रा और इंफोसिस जैसे प्रमुख शेयरों में तेजी रही। बैंकिंग, ऑटो और ऑयल-गैस क्षेत्र के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। दिनभर के कारोबार के बाद बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 482.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। शुक्रवार के मुकाबले निवेशकों की संपत्ति में करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी समेत कुछ क्षेत्रों में बिकवाली का दबाव बना रहा। अमेरिका में अपने ADRs की लिस्टिंग के जरिए करीब

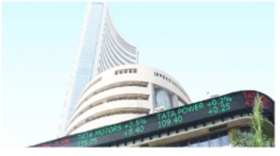

26.5 अरब डॉलर जुटाए थे। यह किसी विदेशी कंपनी की अमेरिका में अब तक की सबसे बड़ी लिस्टिंग मानी जा रही है। कंपनी के ADR का इश्यू प्राइस 149 डॉलर रखा गया था, लेकिन लिस्टिंग के दिन यह 170 डॉलर पर खुला और करीब 13% की तेजी के साथ कारोबार करता दिखा।

खाद्य वस्तुओं की महंगाई 4.38% पर

एजेंसी । नई दिल्ली

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण देश की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई। मई में यह दर 3.93 प्रतिशत थी। महंगाई में इस तेजी का मुख्य कारण खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में वृद्धि को माना गया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, जून में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.32 प्रतिशत रही, जबकि मई में यह 4.78 प्रतिशत थी। सब्जियों, खासकर टमाटर और अदरक जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी का असर घरेलू बजट पर पड़ा। आंकड़ों के मुताबिक, जून में

ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई दर 4.74 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 3.92 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे ग्रामीण इलाकों में महंगाई का दबाव अधिक दिखाई दिया। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को खुदरा महंगाई दर को चार प्रतिशत के लक्ष्य के आसपास बनाए रखने की जिम्मेदारी दी है। इसके लिए इसमें दो प्रतिशत तक उतार-चढ़ाव की गुंजाइश तय की गई है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को बताया कि समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है और उचित समय पर इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। अधिकारी ने कहा कि भारत समझौते में अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में शुल्क के मोर्चे पर बेहतर स्थिति हासिल करने का प्रयास कर रहा है। दोनों देशों की टीमें रूपरेखा समझौते और अंतिम व्यापार समझौते से जुड़े मुद्दों पर लगातार बातचीत कर रही हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर के बीच पिछले महीने नई दिल्ली में समझौते के पहले चरण को लेकर चर्चा हुई थी। अधिकारियों के अनुसार, दोनों पक्ष एक-दूसरे की अपेक्षाओं और समझौते के दायरे

को लेकर स्पष्ट हैं। पीयूष गोयल ने मीडिया रिपोर्टों का खंडन करते हुए कहा कि दोनों देशों की टीमें ऐसे समझौते के लिए सक्रिय हैं, जो संतुलित, व्यावसायिक रूप से लाभकारी और कारोबारियों, किसानों, श्रमिकों तथा उपभोक्ताओं के हित में हो।

जेवर-नवी मुंबई सीधी उड़ान पर फिलहाल ब्रेक

एजेंसी । ग्रेटर नोएडा

अकासा एयर ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच संचालित अपनी सीधी उड़ान सेवा फिलहाल बंद कर दी है। इसके साथ ही नोएडा से बेंगलुरु के लिए कंपनी की उड़ानों की बुकिंग भी अस्थायी रूप से रोक दी गई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों एयरपोर्ट तक सीधी मेट्रो या रैपिड रेल कनेक्टिविटी नहीं होने और टैक्सी का खर्च अधिक होने से यात्रियों की संख्या अपेक्षा से कम रही। इसी कारण इन रूटों पर उड़ानों की मांग नहीं बढ़ सकी।

16 जून को शुरू हुई थी दैनिक उड़ान

अकासा एयर ने 16 जून से नोएडा और नवी मुंबई के बीच दैनिक उड़ान सेवा शुरू की थी, जबकि जेवर एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन 15 जून से आरंभ हुआ था। कंपनी ने नवी मुंबई रूट बंद करने के बाद मुंबई के लिए दो नई दैनिक उड़ानें जारी रखी हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह फैसला स्थायी नहीं है। यात्रियों की मांग और परिचालन स्थिति की समीक्षा के बाद 1 अक्टूबर 2026 से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच सीधी उड़ान सेवा दोबारा शुरू करने की योजना है। जिसकी वजह से यात्रियों

के लिए टैक्सी ही एकमात्र सहारा है, जिसका किराया काफी महंगा होने की वजह से यात्रियों की संख्या में इजाफा नहीं हो पा रहा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से कमर्शियल फ्लाइट का संचालन 15 जून से शुरू हुआ था। 16 जून से अकासा ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच लिए प्रतिदिन फ्लाइट क्यूपी 2017 यात्रियों के लिए शुरू की थी।

अक्टूबर से फिर शुरू होगी सेवा

आकासा एयर के प्रवक्ता का कहना है कि आकासा एयर ग्राहकों की मांग, मौसम के हिसाब से मांग में बदलाव, आपरेशन की क्षमता और विमानों के इस्तेमाल के आधार पर अपने नेटवर्क और शेड्यूल को लगातार बेहतर बनाते रहते हैं। इस प्रक्रिया के तहत, समय-समय पर कुछ रूट और फ्लाइट शेड्यूल में बदलाव किया जा सकता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को जोड़ने वाली फ्लाइट एक अक्टूबर से फिर से शुरू होंगी।

भारत-कनाडा सीईपीए वार्ता में सकारात्मक प्रगति

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर तीसरे दौर की वार्ता सभी मोर्चों पर सकारात्मक प्रगति के साथ पूरी हो गई है। दोनों देशों का कहना है कि उनका लक्ष्य 2026 में बातचीत पूरी करना है। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, भारत और कनाडा ने 6 से 10 जुलाई तक ओटावा में सीईपीए के लिए तीसरे दौर की वार्ता पूरी की। चर्चा के दौरान लगभग सभी मोर्चों पर सकारात्मक प्रगति देखी गई, जो नेताओं के दृष्टिकोण के अनुरूप 2026 में बातचीत को संपन्न करने की दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दोहराती है।

फ्रांस-स्पेन में होगी फाइनल के लिए जंग

▶▶ फीफा विश्व कप का पहला सेमीफाइनल आज खेला जाएगा

▶▶ दोनों टीमें बिना कोई मैच गंवाए अंतिम-चार में पहुंची हैं

एजेंसी। डलास

करीब एक महीने रोमांचक और दिलचस्प मुकाबलों के बाद फुटबॉल महाकुंभ का सफर अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। अब दुनिया की चार शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें खिताब से बस दो कदम की दूरी पर हैं। पहला सेमीफाइनल मंगलवार देर रात दुनिया की नंबर एक टीम फ्रांस और तीसरे नंबर की टीम स्पेन के बीच खेला जाएगा।

फ्रांस की नजर तीसरे खिताब पर नजर

आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचकर दो बार (1998, 2018) के विश्व चैंपियन फ्रांस के पास पश्चिम जर्मनी (1982, 1986, 1990) के बाद लगातार तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाला दूसरा यूरोपीय देश बनने का मौका है। अब तक आठ गोल कर चुके एमबापे की भूमिका स्पेन के खिलाफ उनकी महत्वपूर्ण होगी। लेकिन फ्रांस अग्रिम पंक्ति में केवल उन्हीं पर निर्भर नहीं है। उसके पास ओस्मान डेम्बेले, माइकल ओलिस, डेजायर डोउ और ब्रैडली बारकोला जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी हैं। उसकी रक्षापंक्ति भी मजबूत है जिसमें डयोट उपामेकानो और विलियम सलीबा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। फ्रांस की टीम ने अब तक केवल दो गोल खाए हैं। जब तक हम जीत नहीं जाते, चैन से नहीं बैठेंगे। हम जानते हैं कि आगे आने वाली चुनौतियां पहले से ज्यादा कठिन होंगी, लेकिन हम हर चुनौती का सामना करने को तैयार हैं।

दो शैलियों की जंग

एक ओर, लगातार तीसरे विश्व कप फाइनल में जगह बनाने की कोशिश में लगे फ्रांस की आक्रामक रणनीति होगी, तो दूसरी ओर, दूसरे खिताब को लक्ष्य बनाकर चल रहे स्पेन की 'टिकी टाका' शैली होगी। ऐसे में बेशक फुटबॉल प्रेमियों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। किलियन एमबापे की अगुआई वाली फ्रांस की टीम की अग्रिम पंक्ति में कई अच्छे खिलाड़ी हैं और उन्होंने अभी तक मौजूदा टूर्नामेंट में आक्रामक होकर खेलने को तवज्जो दी है। दूसरी तरफ स्पेन गेंद पर नियंत्रण रखकर छोटे तेज पास देने वाली 'टिकी टाका' से बेहतर तालमेल बनाए रखने की कोशिश करता है। ऐसे में एमबापे और उनके साथियों के लिए उसके डिफेंस को भेदना आसान चुनौती नहीं होगी। दोनों अभी तक अजेय : फ्रांस ने मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं। दूसरी स्पेन भी हारा नहीं लेकिन एक मुकाबला उसने ड्रॉ खेला था। हालांकि स्पेन ने फ्रांस को विभिन्न प्रतियोगिताओं में पिछले दो मैच में हराया है। यही वजह है कि स्पेन के युवा स्ट्राइकर लामिन यामाल ने कहा कि फ्रांस की टीम को उनकी टीम से डरना चाहिए। लेकिन एमबापे का मानना है कि उनकी टीम स्पेन से भिड़ने के लिए तैयार है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल के बाद कहा था, आराम करने का सिर्फ एक ही तरीका है और वह है जीतना।

स्पेन को 16 साल से दूसरे खिताब का इंतजार

स्पेन तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। वह 2010 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप में चैंपियन बना था। स्पेन की रक्षापंक्ति काफी मजबूत है जिसमें रोड्रि, पेड्रि और डैनी ओल्मो गेंद पर नियंत्रण बनाने में माहिर हैं। उसके पास उनाई सिमोन के रूप में उत्कृष्ट गोलकीपर है जिन्होंने पिछले मैच तक विश्व कप में 650 मिनट तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड बनाया। आयमेरिक लापोर्टे और पाउ कुबार्सी की सेंटर-बैक जोड़ी बेहद सधी हुई है। फुल-बैक मार्क कुकुरेला और पेड्रो पोरो बेहतरीन तालमेल से गेंद को आगे बढ़ाने और आक्रमण करने में माहिर है। उसकी अग्रिम पंक्ति में यामाल, निको विलियम्स और मिकेल ओयार्जाबल जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

विश्व कप में आमने-सामने

फीफा विश्व कप में दोनों टीमें अभी तक सिर्फ एक बार आपस में भिड़ी हैं। 2006 में प्री-क्वार्टर फाइनल में हुए उस मुकाबले में स्पेन पेनाल्टी पर डेविड विला के गोल की मदद से 1-0 से आगे था, लेकिन फ्रांस ने वापसी करते हुए फ्रैंक रेबरी, पैट्रिक विएरा और जिनेदिन जिदान के गोलों की मदद से 3-1 से जीत हासिल की।

थाई बॉक्सिंग जोनल चैम्पियनशिप

करांटे योद्धा एसोसिएशन का शानदार प्रदर्शन, जीते आठ पदक

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में आयोजित थाई बॉक्सिंग जोनल चैम्पियनशिप-2026 में कराटे योद्धा एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 8 पदक अपने नाम किए। टीम ने प्रतियोगिता में 4 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर संस्था और प्रशिक्षकों का नाम रोशन किया।

एक रजत और तीन कांस्य पदक भी जीते

वेदार्थ चंद्रशेखर स्वामी (अंडर-14, 36 किग्रा) ने रजत पदक जीता। वहीं इशाक मियाँ (अंडर-17, 40 किग्रा), मोहित राम (अंडर-14, 32 किग्रा) और ओवैस आलमगीर अंसारी (अंडर-17, 44 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

चार खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में प्रिंस सोनावणे (अंडर-9, 24 किग्रा), रुद्र चंदन शर्मा (अंडर-9, 28 किग्रा), अनादिका चंद्रशेखर स्वामी (अंडर-12, 28 किग्रा) और अंकित चौधरी (अंडर-17, 65 किग्रा) शामिल रहे।

आयोजकों ने खिलाड़ियों की सराहना की

प्रतियोगिता के दौरान आयोजक हरि ओम चौहान और नितिन कदम ने कराटे योद्धा एसोसिएशन के खिलाड़ियों के अनुशासन, तकनीकी कौशल और प्रदर्शन की सराहना की। सह-आयोजक अश्विनी कसबे और शिहान कमलेश कसबे ने भी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संस्था ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

इस अवसर पर कराटे योद्धा एसोसिएशन के संस्थापक महेश सिंह और सचिव रोशन शर्मा भी उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

कॉमनवेल्थ गेम्स से बाहर हुए भारतीय पैरा तैराक तेजस नंदकुमार

एजेंसी। नई दिल्ली

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 शुरू होने से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। भारतीय पैरा तैराक तेजस नंदकुमार कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। आयोजकों ने अंतरराष्ट्रीय क्लासिफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए उन्हें प्रतियोगिता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है। तेजस नंदकुमार का नाम हाल ही में भारत सरकार द्वारा घोषित कॉमनवेल्थ गेम्स दल में शामिल किया गया था।

भारतीय युवा स्पिनर ICC प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित

एजेंसी। दुबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई बाएं हाथ की स्पिनर एन श्री चरणी को जून 2026 के लिए ICC विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार गेंदबाजी करने वाली चरणी इस सम्मान की प्रबल दावेदारों में शामिल हैं। उनके साथ स्कॉटलैंड की कप्तान कैथरीन ब्राइस और इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज डैनी वायट-हॉज भी शॉर्टलिस्ट में शामिल हैं।

भले ही भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सकी, लेकिन एन श्री चरणी पूरे टूर्नामेंट की सबसे सफल गेंदबाज बनकर उभरीं। उन्होंने छह टी20 मुकाबलों में 14 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उनका औसत 11.00 और इकोनॉमी 6.69 रही।

बॉ ली वु ड

मल्टीस्टारर फिल्मों पर फिर दांव लगाएंगे अहमद खान

अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की बॉक्स ऑफिस सफलता के बीच निर्देशक अहमद खान ने अपनी आगामी फिल्मों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह इन दिनों एक साथ तीन नई फिल्मों के प्री-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। इनमें टाइगर श्रॉफ और शनाया कपूर अभिनीत एक ज़ॉम्बी कॉमेडी, एक बड़ी मल्टीस्टारर फिल्म और अपने बेटे अजान खान की डेब्यू फिल्म शामिल है। मीडिया बातचीत में अहमद खान ने बताया कि टाइगर श्रॉफ और शनाया कपूर की ज़ॉम्बी कॉमेडी पर काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म का फोटोशूट पूरा हो चुका है और अब बाकी कलाकारों की कास्टिंग अंतिम चरण में है। निर्देशक के अनुसार, यह एक मल्टीस्टारर फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि यह फिल्म दर्शकों के लिए नया और मनोरंजक अनुभव लेकर आएगी। अहमद खान ने अपनी दूसरी फिल्म के बारे में भी जानकारी देते हुए कहा कि वह एक और बड़ी मल्टीस्टारर फिल्म बना रहे हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि इसमें 'वेलकम टू द जंगल' के 34 नहीं, बल्कि 33 कलाकार होंगे। उनके मुताबिक, यह फिल्म अपने बड़े पैमाने और विशाल स्टारकास्ट के कारण चर्चा में रहेगी। इसके अलावा अहमद खान अपने बेटे अजान खान को बॉलीवुड में लॉन्च करने की तैयारी भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म होगी, जिसका निर्देशन वह स्वयं करेंगे। निर्देशक का कहना है कि तीनों परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है और आने वाले समय में इनके बारे में विस्तृत जानकारी शेयर की जाएगी।

वित्त और अर्थव्यवस्था पर बनीं यादगार कहानियां

भारतीय सिनेमा में वित्त, अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार, आर्थिक संकट और बड़े घोटालों जैसे विषयों पर आधारित फिल्में और वेब सीरीज कम देखने को मिलती हैं। हालांकि कुछ निर्देशकों ने इन गंभीर और जटिल विषयों को रोचक अंदाज में पेश कर यह साबित किया कि ऐसी कहानियां भी दर्शकों को बांधे रख सकती हैं। इन कृतियों ने मनोरंजन के साथ-साथ आर्थिक व्यवस्था और देश के वित्तीय इतिहास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को भी सामने रखा। हंसल मेहता की चर्चित वेब सीरीज स्कैम 1992 ने हर्षद मेहता के जीवन और देश के सबसे चर्चित शेयर बाजार घोटाले को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। सीरीज को दर्शकों और समीक्षकों दोनों का भरपूर प्यार मिला। वहीं राज कुमार गुप्ता की फिल्म रेड एक ईमानदार आयकर अधिकारी की कहानी है, जो काले धन के खिलाफ ऐतिहासिक छापेमारी को अंजाम देता है। यह फिल्म भ्रष्टाचार और सरकारी कार्रवाई की मजबूत तस्वीर पेश करती है। निर्देशक चिन्मय मांडलेकर की आगामी फिल्म गवर्नर: द साइलेंट सेवियर 1991 के आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर एस. वेंकटरमणन के योगदान को दिखाती है, जिन्होंने भुगतान संतुलन संकट के दौरान देश की अर्थव्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दूसरी ओर वेंकी अटलूरी की लकी भास्कर एक बैंक कर्मचारी की कहानी है, जो अधिक पैसे कमाने की चाह में वित्तीय अपराधों के जाल में फंस जाता है।

'प्रलय' के साथ तहलका मचाएंगे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' को देश और विदेश से खूब प्रसंशा हासिल हुई। अब वह अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं, जिसका निर्देशन जय मेहता करेंगे। ताजा जानकारी के अनुसार, इस जॉम्बी थ्रिलर की शूटिंग अगले महीने से शुरू हो जाएगी जोकि दिवाली तक चलेगी। इसके बाद वह काम से कुछ समय का विराम लेने का मन बना रहे हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण सामने आया है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 'प्रलय' के लिए शूटिंग अगले महीने से शुरू हो जाएगी जिसमें जुटने के लिए रणवीर पूरी तरह से तैयार हैं। दिवाली तक फिल्म की शूटिंग जारी रहेगी, जिसके बाद प्रोडक्शन कुछ समय के लिए ब्रेक लेगा। वहीं दूसरे शेड्यूल की शूटिंग 2027 से शुरू होने की उम्मीद है।

अप्रैल में दीपिका-रणवीर ने की थी घोषणा

दीपिका और रणवीर ने सितंबर, 2024 में अपनी पहली बेटी दुआ पादुकोण का स्वागत किया था। अक्टूबर, 2025 में उन्होंने दिवाली पर बेटी की पहली झलक को फैंस के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया। वहीं इस साल अप्रैल में, इस जोड़े ने ऐलान किया कि वह अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। फिलहाल अभिनेत्री अपनी प्रेग्नेंसी की तीसरे तिमाही में हैं। ऐसे में रणवीर अपने परिवार के साथ पूरा समय बिताता चाहते हैं।

सलमान की 'मातृभूमि' की राह हुई लंबी

अभिनेता सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' की रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पहले इस फिल्म को अगस्त में सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने की योजना थी, लेकिन अब इसके इस वर्ष रिलीज होने की संभावना काफी कम नजर आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म से जुड़े कुछ लंबित मुद्दों के कारण इसकी रिलीज लगातार टल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म को रिलीज करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन यदि मौजूदा समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो इसे वर्ष 2027 तक टाला जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि यदि विवाद जल्द सुलझ भी जाता है, तब भी उपयुक्त रिलीज डेट मिलना आसान नहीं होगा, क्योंकि अधिकांश प्रमुख तारीखें पहले से बुक हैं। बताया गया है कि सलमान खान किसी अन्य बड़ी फिल्म से बॉक्स ऑफिस टकराव से बचना पसंद करते हैं और इसी वजह से जल्दबाजी में रिलीज का फैसला नहीं लिया जाएगा। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि यदि 'मातृभूमि' अगले साल तक टलती है तो 2027 में सलमान खान की दो बड़ी फिल्में रिलीज हो सकती हैं। उनकी दूसरी फिल्म ' एसवीसी63', जिसमें अभिनेत्री नयनतारा भी नजर आएंगी, ईद 2027 के मौके पर रिलीज के लिए निर्धारित बताई जा रही है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' वर्ष 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष की पृष्ठभूमि पर आधारित है। बताया जा रहा है कि फिल्म की विषयवस्तु को लेकर उठी आपत्तियों के कारण इसे अभी तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से अंतिम प्रमाणपत्र नहीं मिल पाया है। ऐसे में फिल्म की रिलीज पर अंतिम फैसला सेंसर प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लिया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस पर 'धमाल 4' का जलवा बरकरार

अजय देवगन अभिनीत कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी 'धमाल' फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म ने पहले ही वीकेंड में शानदार कमाई करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। फिल्म को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया का असर इसकी कमाई पर भी साफ दिखाई दे रहा है। सैकनिल्क के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 'धमाल 4' ने रिलीज के तीसरे दिन (रविवार) 28.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले दिन 14 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 22.50 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके साथ ही तीन दिनों में इसका घरेलू नेट कलेक्शन 65 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि फिल्म का वैश्विक बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 92 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। फिल्म में अजय देवगन के साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी और रवि किशन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। वहीं, आलिया भट्ट और शरवरी वाघ अभिनीत 'अल्फा' की रफ्तार लगातार धीमी पड़ती जा रही है। फिल्म ने रिलीज के 10वें दिन 2.25 करोड़ रुपये की कमाई की, जिससे इसका घरेलू नेट कलेक्शन 53.60 करोड़ रुपये तक पहुंच सका है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा इस फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसे उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिल रही है।

रेलवे के 1.27 करोड़ तावल, चादरें और कंबल चोरी

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेलवे की एसी कोच में यात्रा करने वाले करीब-करीब 8 लाख यात्रियों को यात्रा के दौरान रेलवे की तरफ से मुफ्त बेडरोल की सुविधा मिलती है। इसमें दो चादरें, एक कंबल, एक तकिया, तकिए का कवर और एक फेस टावल शामिल होता है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि सफर खत्म होने के बाद हर 1000 यात्रियों में से करीब एक यात्री बेडरोल का कोई न कोई सामान अपने साथ ले जाता है। इस बात का खुलासा इंडियन एक्सप्रेस की तरफ से दाखिल किए गए आरटीआई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2022 से मई 2026 के बीच भारतीय रेलवे के एसी कोचों से अब तक 1.27 करोड़ से अधिक बेडरोल आइटम गायब हो चुके हैं। जिससे रेलवे को हर साल करोडों रुपये का नुकसान उठाना पड रहा है।

आखिर सबसे ज्यादा क्या चोरी हो रहा है?

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा फेस टावल चोरी हुए हैं। चार साल में 46.54 लाख टावल गायब हुए। इसके बाद 41.13 लाख चादरें, 23.59 लाख तकिए के कवर, 12.95 लाख कंबल और 2.76 लाख तकिए चोरी हुए। 2022 से 2025 के बीच ऐसी चोरियों में 56 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

किन शहरों में सबसे ज्यादा चोरी हुई?

देश के सात रेलवे जोन के 10 डिवीजन में कुल चोरी का 67 प्रतिशत हिस्सा दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा चोरी बीकानेर डिवीजन में हुई, जहां 25.76 लाख सामान गायब हुए। इसके बाद रांची, दिल्ली, मुंबई, जोधपुर, अहमदाबाद और दानापुर का नंबर है। वहीं तिरुचिरापल्ली और पलक्कड डिवीजन में चोरी का कोई मामला सामने नहीं आया।

- 1.27 करोड़ बेडरोल आइटम गायब
- ठेकेदारों को हुआ 104 करोड़ का नुकसान
- सबसे ज्यादा फेस टावल अपने साथ ले गए यात्री

इस चोरी का नुकसान किसे उठाना पडता है?

चार साल में इस चोरी से बेडरोल सप्लाई करने वाले ठेकेदारों को करीब 104.51 करोड रुपये का नुकसान हुआ। सबसे ज्यादा असर उन कोच अटेंडेंट पर पड़ता है, जिनकी सैलरी से चोरी हुए सामान की कीमत काट ली जाती है। कई अटेंडेंट ने बताया कि हर महीने 2000 से 3000 रुपये तक उनकी मजदूरी कम हो जाती है, जबकि उन्हें रोजाना करीब 700 रुपये ही मिलते हैं।

रेलवे क्या कह रहा है?

रेलवे मंत्रालय ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया है। मंत्रालय का कहना है कि कर्मचारियों की मिलीभगत का कोई सबूत नहीं मिला है। रेलवे का कहना है कि चोरी रोकने के लिए सीसीटीवी, कोच मित्र ऐप, कर्मचारियों की काउंसलिंग, पुलिस वेरिफिकेशन और यात्रियों से स्टेशन पहुंचने से 30 मिनट पहले बेडरोल वापस लेने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

आंकड़े क्या बताते हैं?

आरटीआई के जवाब रेलवे के 54 डिवीजन से मिले, हालांकि कई डिवीजन ने पूरी जानकारी नहीं दी। इसलिए माना जा रहा है कि वास्तविक आर्थिक नुकसान 104.51 करोड रुपये से भी ज्यादा हो सकता है। रेलवे बोर्ड के नियमों के अनुसार चोरी हुए सामान की कीमत ठेकेदार से वसूली जाती है और बाद में यही रकम कर्मचारियों की सैलरी से काट ली जाती है। यानी यात्रियों की छोटी सी लापरवाही या चोरी का सबसे बडा बोझ आखिरकार कर्मचारियों और जनता दोनों को उठाना पडता है।

न्यूज़ ब्रीफ

भाजपा में शामिल होते ही तीनों पूर्व टीएमसी नेताओं ने भरा नामांकन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 24 जुलाई को होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के तीन उम्मीदवारों सुखेन्दु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया कि तीनों नेताओं ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष अपने कागजात जमा कर दिए। विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद राय, देव और बराइक के संसद के उच्च सदन से इस्तीफा देने और पार्टी छोड़ने के कारण राज्यसभा की तीन सीटें खाली हो गई थीं।

बेटियों की नियुक्ति विवाद में केपीएससी चेयरमैन निलंबित

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सोमवार को कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को उनकी दो बेटियों की औद्योगिक विस्तार अधिकारी के पद पर नियुक्ति से जुड़े विवाद में निलंबित किया है। साथ ही, राष्ट्रपति से मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट भेजने की सिफारिश की है। राजभवन के अनुसार, साहूकार पर आरोप है कि उन्होंने अपनी दोनों बेटियों के चयन में 'हितों के टकराव' के बावजूद स्वयं को चयन प्रक्रिया से अलग नहीं किया और न ही इसकी औपचारिक घोषणा की।

भोजशाला मामले पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह भोजशाला कॉम्प्लेक्स को देवी सरस्वती का मंदिर बताने वाले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। मुस्लिम अपीलकर्ताओं की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी और वकील निजाम पाशा ने जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ से आग्रह किया कि इन याचिकाओं पर तुरंत सुनवाई की जरूरत है। सीजेआई ने अपीलकर्ताओं के वकीलों से याचिकाओं में मौजूद कमियों को दूर करने को कहा और उन्हें भरोसा दिलाया कि जल्द ही किसी पीठ के सामने सुनवाई के लिए इन्हें सूचीबद्ध किया जाएगा।

मद्रास हाईकोर्ट के गोवध प्रतिबंध के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु में कहीं भी बकरीद या किसी अन्य दिन गाय या बछड़े के वध पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटिशन (SLP) पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें पूरे राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने?

बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश का अंतिम पैराग्राफ, जिसमें राज्यभर में प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था, प्रथम दृष्टया सुधार की मांग करता है। राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने पक्ष रखा।

सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले पर क्या आपत्ति जताई?

राज्य सरकार ने दलील दी कि हाई कोर्ट का आदेश तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के विपरीत है। इस कानून के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र के आधार पर 10 वर्ष से अधिक उम्र की उन गायों के वध की अनुमति दी जाती है, जो काम करने और प्रजनन के लिए अनुपयुक्त हो चुकी हों। सरकार ने यह भी कहा कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960, पशु क्रूरता निवारण (वध गृह) नियम, 2001, तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय अधिनियम, 1998 तथा तमिलनाडु शहरी स्थानीय निकाय नियम, 2023 जैसे अन्य कानून वध की प्रक्रिया और शर्तों को नियंत्रित करते हैं, लेकिन इनमें कहीं भी पूर्ण प्रतिबंध का प्रावधान नहीं है। राज्य का कहना है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाकर हाई कोर्ट ने वैधानिक कानून की जगह न्यायिक कानून बना दिया।

कोरोना से दो मरीजों की मौत

ओडिशा में अलर्ट, अस्पतालों के लिए जारी हुए नए नियम

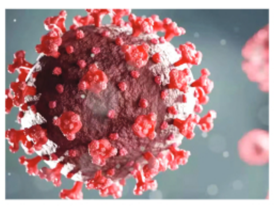

भुवनेश्वर। आंध्र प्रदेश में कोरोना से दो मरीजों की मौत हो गई है। इसके बाद ओडिशा सरकार पूरी तरह अलर्ट पर है। खतरे को देखते हुए ओडिशा ने पूरे राज्य में कोरोना की जांच तेज कर दी है। हालांकि, राहत की बात है कि ओडिशा में अभी तक कोई नया मरीज नहीं मिला है। सरकार पूरी सावधानी बरत रही है। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में कोरोना से एक मौत हुई है। वहां 9 जुलाई को एक 46 साल के व्यक्ति की जान चली गई। उसे सांस लेने में तकलीफ थी और तेज खांसी आ रही थी। दोनों राज्यों के बीच लोगों का आना-जाना लगा रहता है। इसी वजह से ओडिशा सरकार की चिंता बढ़ गई है। स्वास्थ्य निदेशक रवींद्रनाथ मिश्रा ने कहा है कि अभी डरने की कोई बात नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। आंध्र प्रदेश में अस्पतालों को तैयार कर दिया गया है। वहां आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। इसे देखकर ओडिशा ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

रथ यात्रा समितियों को पांच-पांच लाख रुपये देगी बंगाल सरकार

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार ने इस साल की रथ यात्रा को लेकर एक बहुत बड़ा फैसला किया है। राज्य सरकार आगामी 16 जुलाई को होने वाले कार फेस्टिवल से पहले सूबे की 60 रथ यात्रा कमेटियों को पांच-पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता देगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक के बाद यह बड़ा एलान किया। इस बैठक में आगामी त्योहार की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

क्या सरकार बदलने वाली है पुरानी व्यवस्था?

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पिछली सरकारों पर सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कोलकाता और पूरे राज्य में हर साल कई भव्य रथ यात्राएं आयोजित की जाती हैं। लेकिन पिछली सरकार सिर्फ पुलिस बल तैनात करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती थी। हमारी सरकार ने इस उत्सव में सीधे तौर पर भागीदारी करने का फैसला किया है।

क्या हैं श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम?

सरकार सिर्फ आर्थिक मदद ही नहीं दे रही है, बल्कि भक्तों की सुविधा के लिए जमीन पर भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्यभर में लगने वाले 75 पारंपरिक रथ यात्रा मेलों में विशेष 'सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे। ये सेवा केंद्र मेलों में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों को जरूरी सहायता और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करेंगे।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा मर्डर केस

आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 दोषी, 6 बरी

एजेंसी | पूर्वी दिल्ली

वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण कुमार सिंह ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपितों को दोषी करार दिया, जबकि छह आरोपितों को बरी कर दिया।

कौन हुए दोषी और कौन हुए निर्दोष?

दोषी ठहराए गए आरोपितों में ताहिर हुसैन, नाजिम, कासिम, जावेद और अनस शामिल हैं। वहीं, हसीन उर्फ मुल्लाजी उर्फ सलमान, समीर खान, फिरोज, गुलफाम, शोएब आलम उर्फ बॉबी और मुंतजिम उर्फ मूसा को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया। दोषी ठहराए गए आरोपितों की सजा पर अदालत अलग से सुनवाई करेगी।

ताहिर हुसैन पर कौन से लगे आरोप?

अदालत ने ताहिर हुसैन को सरकारी आदेश की अवहेलना, सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने, दंगा करने, घातक हथियार के साथ दंगा करने, अपहरण, हत्या तथा गैरकानूनी जमाव के साझा उद्देश्य से अपराध करने के आरोपों में दोषी ठहराया। हालांकि, उन्हें आपराधिक साजिश रचने और अपराध के लिए उकसाने के आरोपों से बरी कर दिया गया।

सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का आरोप

नाजिम को भी सरकारी आदेश की अवहेलना, सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने, दंगा करने, घातक हथियार के साथ दंगा करने, अपहरण, हत्या तथा गैरकानूनी जमाव के साझा उद्देश्य से अपराध करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। कासिम, जावेद और अनस को भी दंगा, घातक हथियार के साथ दंगा, सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने, अपहरण, हत्या और गैरकानूनी जमाव के साझा उद्देश्य से अपराध करने के आरोपों में दोषी ठहराया गया।

अंकित शर्मा की हत्या कर शव नाले में

यह मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान आईबी कर्मी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़ा है। अंकित शर्मा का शव 26 फरवरी 2020 को चांदबाग इलाके के एक नाले से बरामद हुआ था। अभियोजन पक्ष का आरोप था कि हिंसक भीड़ ने उनकी हत्या कर शव को नाले में फेंक दिया था।

भाजपा ने उमर अब्दुल्ला को भेजा 100 करोड़ रुपये का नोटिस

जम्मू। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने सोमवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को 100 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा। यह नोटिस अब्दुल्ला के उस बयान के बाद भेजा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने उनकी सरकार गिराने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को नकद और मंत्री पद का लालच देकर खरीदने की कोशिश की थी। इन आरोपों को झूठा, बेबुनियाद और मानहानि करने वाला बताते हुए भाजपा ने सात दिनों के भीतर लिखित रूप में आरोप वापस लेने और बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर सिविल और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग वाला मानहानि का मुकदमा भी शामिल है।

गुजरात में फैला चांदीपुरा वायरस

- एक महीने में 12 बच्चों की मौत, 3 की रिपोर्ट पॉजिटिव

एजेंसी | गोधरा

गुजरात में संक्रमण से एक महीने में अब तक 12 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से तीन बच्चे चांदीपुरा वायरस से संक्रमित थे। अन्य 9 बच्चों की मौत भी इसी वायरस से होने की आशंका है। हालांकि, इनकी रिपोर्ट आना अभी बाकी है। संक्रमण के मामले गांधीनगर, साबरकांठा, खेड़ा, अरावली और पंचमहल जिलों में सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल्ल पानसेरिया ने इस स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि इस घातक वायरस के संक्रमण के कारण अब तक 3 बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से 2 बच्चों की मौत गोधरा और राजस्थान के एक बच्चे की मौत हिम्मतनगर में हुई।

वायरस के संदिग्ध लक्षणों वाले 9 अन्य बच्चों की मौत

हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में चांदीपुरा के संदिग्ध लक्षणों वाले बच्चों की कुल 6 मौतें दर्ज की गई हैं। जबकि तीन बच्चों की मौत गोधरा के सिविल अस्पताल में हुई। इनमें दो बच्चों की मौत दो दिन पहले यानी कि 11 जुलाई को हुई। इन दोनों बच्चों में एक बच्चे की उम्र 1 साल और दूसरे की उम्र दो साल थी।

नगालैंड में संदिग्ध आईईडी विस्फोट

- असम राइफल्स का एक जवान शहीद, चार घायल

एजेंसी | कोहिमा

नगालैंड में शोखुवी-चुमौकेदिमा रोड पर संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) धमाके में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया और चार अन्य घायल हो गए। कोहिमा में डिफेंस पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर (PRO) ने बताया कि धमाका सोमवार को नगालैंड के चुमौकेदिमा जिले में सुखोवी (शोखुवी) के पास हुआ। यहां असम राइफल्स का एक बड़ा ट्रेनिंग सेंटर है। पहले से लगाए गए IED ने असम राइफल्स की गाड़ियों के काफिले को निशाना बनाया, जब सुरक्षाकर्मी रुटीन मूवमेंट के तहत उस इलाके से गुजर रहे थे। घायल चार जवानों को तुरंत वहां से निकालकर इलाज के लिए पास के मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी की

धमाके के तुरंत बाद, सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और हमलावरों का पता लगाने के लिए आसपास के जंगली इलाकों में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। अभी तक किसी भी विद्रोही गुट ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। स्थानीय अधिकारी और फोरेंसिक टीमें धमाके की असल वजह और प्रकृति की जांच कर रही हैं।

दावा | भारत में केवल 13.3% बुज़ुर्गों में ही मोटापा डिमेंशिया का कारण

देश में कम शिक्षित बुजुर्गों को डिमेंशिया का खतरा सबसे अधिक

एजेंसी | कैलिफोर्निया

भारत में कम शिक्षित बुजुर्गों को डिमेंशिया का सबसे अधिक खतरा है। लैंसेट की स्टडी में दावा किया गया है कि देश में 76.7 फीसदी बुजुर्गों में डिमेंशिया की प्रमुख वजह शिक्षा का कम स्तर होना है। चीन में यह आंकड़ा 85 फीसदी से अधिक

शिक्षा से डिमेंशिया का संबंध

भारत में बुढ़ापे में आंखों की रोशनी का कमजोर होना डिमेंशिया का दूसरे सबसे बड़ा कारण है। ऐसे 69.7 फीसदी लोगों में यह वजह पाई गई। तीसरे स्थान पर हाइपरटेंशन है। लंदन में अल्जाइमर एसोसिएशन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 2026 में पेश किए गए ये नतीजे 'द लैंसेट हेल्दी लॉन्गेविटी' जर्नल में छपे हैं।

2.14 लाख बुजुर्गों पर अध्ययन

इस स्टडी के लिए शोधकर्ताओं की अंतरराष्ट्रीय टीम ने 2009 से 2023 के बीच भारत, अमेरिका और चीन समेत दुनिया की 14 देशों में 2.14 लाख बुजुर्गों से जुड़े डाटा को इकट्ठा किया और उसकी आपस में तुलना की। शोधकर्ताओं ने बुढ़ापे में भूलने की बीमारी (डिमेंशिया) को बढ़ाने वाले 12 ऐसे कारणों पर अध्ययन किया, जिन्हें लाइफस्टाइल बदलकर ठीक किया जा सकता है, जैसे कम सुनाई देना, डिप्रेशन, सुस्त जीवनशैली और अकेलापन। उन्होंने यह समझने की कोशिश की कि ये कारण अलग-अलग देशों के बुजुर्गों में कितने आम हैं। शोधकर्ता यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया के जिंकूक ली भारत में बुजुर्गों पर होने वाली स्टडी से भी जुड़े हैं।

इलाज की नीति बनाने में मदद मिलेगी

शोधकर्ताओं का कहना है कि इन नतीजों से सरकारों और स्वास्थ्य संगठनों को आबादी के हिसाब से डिमेंशिया से बचाव की रणनीतियां बनाने में मदद मिलेगी। रिसर्च के मुख्य लेखक एम्मा निकोलस ने कहा कि बुढ़ापे में होने वाली इन समस्याओं का रिस्क पहले से तय नहीं होता है। ये ऐसे रिस्क फैक्टर्स हैं जिनका सामना आप जीवन भर करते हैं। आप अपने रिस्क को बदलने में असर डाल सकते हैं। इस अध्ययन में पाया गया कि डिमेंशिया के सबसे आम खतरों में कम शिक्षा, उच्च रक्तचाप और स्मोकिंग हर देश में अलग-अलग होते हैं। भारत में कम शिक्षित बुजुर्गों में जहां यह खतरा अधिक है, वहीं अमेरिका में मोटापे से ग्रसित लोगों में इस बीमारी का खतरा अधिक पाया गया।